मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 16 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 2 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 302 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ मानसून की चुनौती: आखिर स्मार्ट शहर भी क्यों हो रहे हैं बेबस?

14 साल बाद अरशद ने बेची दुकान ◂◂ 6

जगन्नाथपुर मंदिर में सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के ऐतिहासिक धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में गुरुवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर के पट खुलते ही भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु पूरे श्रद्धाभाव के साथ पूजा-अर्चना करते नजर आए। मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के उद्घोष और भक्ति गीतों से गूंजता रहा।

पूजा-अर्चना के बाद खींचा जाएगा रथ : गुरुवार शाम को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे। रथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। अनुमान है कि दिनभर में हजारों श्रद्धालु रथ यात्रा और मेले में शामिल होंगे। परंपरा के अनुसार विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के बाद भगवान को रथ पर विराजमान कराया जाएगा, जिसके बाद रथ खींचने की शुरूआत होगी।

रथ यात्रा के सफल और सुरक्षित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर और रथ मार्ग पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा और पेयजल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस और स्वास्थ्यकर्मी भी तैनात हैं।

झारखंड की सबसे प्राचीन- जगन्नाथपुर रथ यात्रा : जगन्नाथपुर की रथ यात्रा झारखंड की सबसे प्राचीन और प्रमुख धार्मिक यात्राओं में गिनी जाती है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु भगवान के दर्शन और रथ खींचने के लिए यहां पहुंचते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान के रथ की रस्सी खींचने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, इसलिए रथ को खींचने के लिए लोगों में विशेष उत्साह रहता है।

मंदिर परिसर में लगे मेले में भी सुबह से ही चहल-पहल बढ़ गई है। पूजा सामग्री, खिलौने, मिठाइयों और स्थानीय व्यंजनों की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखी जा रही है। कुल मिलाकर जगन्नाथपुर मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है और अब सभी की निगाहें भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पर टिकी हैं।

धनबाद में दर्दनाक हादसा: घर के बाथरूम में मिले दो महिलाओं के शव, करंट लगने से मौत

धनबाद: पुटकी थाना क्षेत्र के पुटकी स्थित बीसीसीएल की ए-टाइप कॉलोनी में करंट लगने से दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में घर की मालकिन और उनके यहां काम करने वाली महिला शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह दर्दनाक हादसा पुटकी थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल की ए-टाइप कॉलोनी में हुआ। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय शोभा सिन्हा और 40 वर्षीय शांति देवी के रूप में हुई है।

घर की सफाई के दौरान हुआ हादसा : बताया जा रहा है कि शोभा सिन्हा अपने घर की सफाई करवा रही थी। इसी दौरान दोनों किसी तरह बिजली के संपर्क में आ गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुटकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि करंट कैसे लगा। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर हर पहलू की जांच की जा रही है। दोनों का शव घर के बाथरूम से बरामद हुआ है।

मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए: परिजन : स्थानीय लोगों के मुताबिक, शोभा सिन्हा करीब चार महीने बाद अपने घर लौटी थीं। घर की साफ-सफाई के दौरान उनके साथ काम कर रही महिला भी मौजूद थी। इसी बीच दोनों करंट की चपेट में आ गईं। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। परिजनों का कहना है कि घटना की सही वजह अब तक सामने नहीं आई है। उनका आरोप है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

मामले की जांच में जुटी पुलिस : मृतका शोभा सिन्हा के परिजनों ने बताया कि परिवार पहले ही कोरोना काल में एक सदस्य को खो चुका है और अब यह दूसरी बड़ी त्रासदी है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पूरे मामले को लेकर कॉलोनी में मातम पसरा है। वहीं, पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन ने बताया कि बीसीसीएल की ए-टाइप कॉलोनी में करंट लगने से दो महिलाओं की मौत हुई है। दोनों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

100 करोड़ के फर्जी जीएसटी बिलिंग रैकेट में स्क्रैप कारोबारी अजय शर्मा गिरफ्तार

बड़े सिंडिकेट से जुड़े तार

जमशेदपुर: फर्जी बिलों के जरिए सरकार को करोड़ों रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और जीएसटी का नुकसान पहुंचाने वाले अंतर-राज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने जमशेदपुर के बारीडीह निवासी स्क्रैप कारोबारी अजय शर्मा को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई संयुक्त निदेशक अभिनव कुमार के नेतृत्व में की गई।

100 करोड़ रुपये की फर्जी बिलिंग का आरोप : डीजीजीआई की जांच में सामने आया है कि अजय शर्मा ने करीब 100 करोड़ रुपये के फर्जी बिल जारी कर सरकार को भारी राजस्व क्षति पहुंचाई। खुफिया सूचना के आधार पर डीजीजीआई की विशेष टीम ने बारीडीह स्थित उसके दो ठिकानों पर गोपनीय तरीके से छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने मोबाइल फोन, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्ड और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए।

बरामद साक्ष्यों की जांच और घंटों तक चली पूछताछ के बाद एजेंसी ने बुधवार को अजय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

रांची जेल में बंद कारोबारियों से जुड़े मिले तार : जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि अजय शर्मा का संबंध जमशेदपुर के चर्चित स्क्रैप कारोबारियों के एक बड़े सिंडिकेट से है। डीजीजीआई के अनुसार उसके तार विक्की भालोटिया, शिव देवरा और अमित गुप्ता से जुड़े मिले हैं। ये तीनों कारोबारी करोड़ों रुपये के जीएसटी फजीर्वाड़े और फर्जी बिलिंग के आरोप में पहले से ही रांची के होटवार जेल में बंद हैं।

जांच के दायरे में कई और कारोबारी : केंद्रीय जांच एजेंसी लंबे समय से इस अंतर-जिला और अंतर-राज्यीय नेटवर्क की जांच कर रही थी। अधिकारियों का मानना है कि अजय शर्मा की गिरफ्तारी इस पूरे रैकेट का पदार्फाश करने की दिशा में अहम कदम है। जब्त किए गए डिजिटल डेटा और दस्तावेजों के आधार पर आने वाले दिनों में इस सिंडिकेट से जुड़े कई अन्य सफेदपोश और प्रभावशाली कारोबारियों पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

आयकर विभाग के सर्वे में पनास और दयानंद ग्रुप के ठिकानों से 20 करोड़ से अधिक की अघोषित संपत्ति के दस्तावेज मिले, दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी

रांची: राजधानी रांची के प्रमुख बिल्डर समूह पनास ग्रुप और दयानंद ग्रुप के ठिकानों पर आयकर विभाग की अनुसंधान (इन्वेस्टिगेशन) शाखा द्वारा चलाया जा रहा सर्वे दूसरे दिन भी जारी है। शुरूआती जांच में विभाग को करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक के अघोषित लेन-देन और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज मिलने की जानकारी सामने आई है। इस खुलासे के बाद रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े लोगों में हलचल मच गई है।

जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम ने बुधवार दोपहर दोनों बिल्डर समूहों के विभिन्न कार्यालयों और कारोबारी परिसरों में एक साथ सर्वे की कार्रवाई शुरू की थी। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने बिल्डरों के वित्तीय रिकॉर्ड, बिक्री से जुड़े दस्तावेज, खातों और अन्य कारोबारी अभिलेखों की गहन जांच की।

कच्चे कागजों पर मिले लेन-देन के रिकॉर्ड :सर्वे के दौरान अधिकारियों को फ्लैटों की बिक्री से जुड़े कई ऐसे दस्तावेज और पर्चियां मिली हैं, जिनमें कथित रूप से कच्चे कागज (अनअकाउंटेड रिकॉर्ड) पर नकद राशि लेने का विवरण दर्ज है। प्रारंभिक जांच में इन दस्तावेजों में 20 करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन का उल्लेख मिलने की बात सामने आई है।

आयकर विभाग की विशेष जांच टीम इन दस्तावेजों का मिलान बैंक रिकॉर्ड, बही-खातों और अन्य वित्तीय दस्तावेजों से कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन लेन-देन को आधिकारिक खातों में दशार्या गया था या नहीं।

जांच के दायरे में कारोबारी गतिविधियां : सूत्रों के अनुसार, जांच का मुख्य फोकस फ्लैटों की बिक्री, नकद भुगतान, बुकिंग राशि और अन्य वित्तीय लेन-देन पर है। विभाग यह भी पता लगाने में जुटा है कि कहीं कर चोरी, अघोषित आय या बेहिसाबी संपत्ति का मामला तो नहीं है।

लातेहार में मिनी ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, दोनों की मौत

लातेहार: जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-लातेहार मुख्य मार्ग पर शिवटोली के समीप एक अनियंत्रित मिनी ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल डाला। इस घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। मृतक युवकों में एक की पहचान खलारी निवासी टिंकू भुइयां के रूप में हुई है। जबकि दूसरे की पहचान नहीं हो पाई है।

डाल्टनगंज से रांची जा रहा था ट्रक : दरअसल, गुरुवार को एक मिनी ट्रक डाल्टनगंज से रांची की ओर जा रहा था। वहीं विपरीत दिशा से बाइक पर सवार दो युवक जा रहे थे। इसी दौरान शिव टोली के पास मिनी ट्रक और बाइक में सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बाइक पर सवार एक युवक दूर जा गिरा, जबकि दूसरा युवक ट्रक के नीचे दब गया। इस दौरान मिनी ट्रक भी युवकों को बचाने के प्रयास में सड़क किनारे पलट गया।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए अपने स्तर से राहत कार्य शुरू किया और घटना की जानकारी पुलिस को भी दे दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और दोनों युवकों को चंदवा अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

इधर, दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ लग गई। इस कारण सड़क जाम की स्थिति बन गई थी। हालांकि थोड़ी देर बाद यातायात सुचारू हो गया। इस संबंध में डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि घटना के बाद दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया है। घटना की विस्तृत जानकारी भी ली जा रही है।

दुर्घटना का हॉट जोन बना एनएच 39 : एनएच 39 इन दिनों दुर्घटना का हॉट जोन बन हुआ है। इस सड़क को फोरलेन सड़क में बदला जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य भी जारी है। निर्माण कार्य चलते रहने के कारण चंदवा थाना क्षेत्र में ही कुछ ऐसे स्थान चिन्हित हो गए हैं, जहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। आम लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसी जगहों की पहचान की जाए और वहां सुरक्षा के उपाय भी किए जाएं।

डबल मर्डर केस का पुलिस ने किया खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी। खूंटी जिले के घाघरा गांव स्थित तजना नदी पुल के पास युवक अरुण कुमार राणा और युवती नीसा कुमारी के मिले शवों के मामले का खूंटी पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या और साजिश में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले के खुलासे के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन, हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड, दोनों मृतकों के मोबाइल फोन सहित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई 2026 को खूंटी थाना क्षेत्र के

घाघरा गांव स्थित तजना नदी पुल के समीप एक युवक और एक युवती का शव बरामद हुआ था। इस संबंध में खूंटी थाना कांड संख्या-96/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान सबसे पहले कुन्दन प्रमाणिक उर्फ संजीत को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए अन्य आरोपियों के नाम बताए। इसके बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर जितेन्द्र सिंह उर्फ जायरा, रितेश चीक बड़ाईक, मदन ठाकुर उर्फ मदन प्रमाणिक, सती देवी और विजय रंजन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त काला रंग का स्कॉर्पियो (खल-15अअ-5556), मृतक की मोटरसाइकिल (खल-02अ-7875), मृतका की चप्पल, आरोपी का चप्पल, हत्या में प्रयुक्त दो लोहे की रॉड, दोनों मृतकों के मोबाइल फोन, आरोपियों के मोबाइल फोन तथा घटना के बाद जलाए गए कपड़ों की राख बरामद की है। मामले के अनुसंधान में एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह सहित खूंटी थाना के कई पुलिस पदाधिकारी, तकनीकी शाखा एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है। इस सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड के खुलासे से जिले में चर्चा का विषय बने इस मामले पर से पर्दा उठ गया है।

समाचार सार

एसपी अनिमेष नैथानी ने की अपराध समीक्षा बैठक

चतरा : एसपी अनिमेष नैथानी ने बुधवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलेभर के पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान बारी-बारी से सभी थाना प्रभारी से उनके क्षेत्र में होने वाले कांडो पर चर्चा करते हुए लंबित मामलों की जानकारी ली गई एवं इनके शीघ्र निष्पादन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में पर्यवेक्षण के लिए लंबित कांड, संपत्ति मूलक अपराध, एनडीपीएस, हत्या, नक्सल, पॉक्सो, एससी-एसटी मामलो, पासपोर्ट व चरित्र सत्यापन, लंबित वारंट व कुर्की, सीसीए, निगरानी प्रस्ताव, गुंडा पंजी, पीआईटी एनडीपीएस, संगठित अपराध गिरोह व हिंट एंड रन मामलो की समीक्षा की गयी। वही सभी थाना प्रभारियों को लंबित मामलो का त्वरित निष्पादन, अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिये गये। एसपी ने कहा कि कांडो के निष्पादन में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने मादक पदार्थो के खिलाफ लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया। तस्करो व नशा कारोबार में संलिप्त लोगो पर कार्रवाई करने की बात कही।साथ ही थाना पहुंचने वाले लोगो के साथ सामुदायिक पुलिसिंग के तहत अच्छा व्यवहार करने को कहा। मौके पर सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाउसाहेब, टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार, चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन के अलावा सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, पुलिस इंस्पेक्टर विपिन कुमार, उमेश राम समेत सभी थाना प्रभारी व अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

चतरा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर रक्क़)-2026 के अंतर्गत शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण एवं उसके डिजिटाइजेशन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 27-चतरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्र संख्या-47 की बीएलओ तनुजा कुमारी, मतदान केन्द्र संख्या-252 की बीएलओ सरिता देवी तथा मतदान केन्द्र संख्या-318 की बीएलओ उर्मिला देवी को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए शॉल एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया।उप निर्वाचन पदाधिकारी ने सम्मानित बीएलओ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की सफलता में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी बीएलओ से निर्वाचन संबंधी कार्यों का निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।इस अवसर पर निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

सोहाद में सरकारी शराब दुकान हटाने की मांग तेज

चतरा : हंटरगंज प्रखंड की नावाडीह पंचायत अंतर्गत सोहाद गांव में संचालित सरकारी शराब दुकान को लेकर विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। ग्रामीणों की शिकायतों के बीच विधायक प्रतिनिधि रौशन कुमार सिंह ने चतरा उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर दुकान के संचालन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि शराब दुकान राष्ट्रीय राजमार्ग, विद्यालय और मंदिर के बेहद समीप संचालित हो रही है, जो नियमों के साथ-साथ जनभावनाओं के भी विपरीत है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दुकान को तत्काल हटाने तथा दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।ज्ञापन के अनुसार, सोहाद गांव स्थित सरकारी शराब दुकान राष्ट्रीय राजमार्ग से महज 70 से 80 फीट की दूरी पर संचालित हो रही है। आरोप है कि यह माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निदेशों एवं प्रचलित नियमों की भावना के विपरीत है। यदि जांच में यह तथ्य सही पाए जाते हैं, तो संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होंगे।रौशन कुमार सिंह ने बताया कि शराब दुकान से लगभग 100 फीट की दूरी पर एक निजी विद्यालय वर्षों से संचालित है, जहां छोटे-छोटे बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। उनका कहना है कि विद्यालय के समीप शराब दुकान होने से बच्चों के शैक्षणिक माहौल और सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शराब दुकान के ठीक सामने बजरंगबली मंदिर स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर के सामने शराब दुकान का संचालन धार्मिक वातावरण को प्रभावित कर रहा है और स्थानीय लोगों की आस्था को ठेस पहुंचा रहा है।ज्ञापन में संबंधित विभाग एवं संवेदक पर नियमों और जनभावनाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो सरकारी शराब दुकान को तत्काल बंद कर उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं संवेदक की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।इस संबंध में ज्ञापन की प्रतिलिपि आयुक्त, उत्पाद विभाग, सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड सरकार, जिला उत्पाद अधीक्षक, चतरा तथा थाना प्रभारी, हंटरगंज को भी भेजी गई है, ताकि मामले में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियां पूरी

19 जुलाई को तीन पालियों में होगी परीक्षा

सभी पदाधिकारी आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें : उपायुक्त

संवाददाता

202

चतरा : समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 (खत्रह्नउए-2024) के सफल, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर ब्रीफिंग एवं समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा संचालन से संबंधित प्रशासनिक, विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 आगामी 19 जुलाई 2026 (रविवार) को जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें कुल 4,248 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, ऑब्जर्वर, जोनल दंडाधिकारियों, गश्ती-सह-उड़नदस्ता दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में बताया गया कि परीक्षा दो पालियों में तीन शिफ्ट में आयोजित होगी। प्रथम पाली के शिफ्ट 1 के परीक्षा सुबह 08:30 बजे से 10:30 बजे तक, द्वितीय शिफ्ट की परीक्षा 11:30 बजे से 01:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली में तृतीय शिफ्ट के लिए परीक्षा 03:30 बजे से 05:30 बजे तक आयोजित होगी। प्रथम पाली के लिए अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 07:00 बजे से प्रारंभ होकर 08:00 बजे तक रहेगा, जबकि द्वितीय पाली में तृतीय शिफ्ट के लिए प्रवेश 02:00 बजे से प्रारंभ होकर 03:00 बजे तक होगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन फ्रिस्किंग एवं मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट आदि प्रतिबंधित सामग्री पर प्रभावी रोक, प्रश्नपत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्रियों की सुरक्षित ढुलाई एवं संरक्षण, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी केंद्राधीक्षक परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कर सभी तैयारियां पूर्ण कर लें तथा किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराएं।बैठक में जानकारी दी गई कि परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, ऑब्जर्वर, गश्ती-सह-उड़नदस्ता दंडाधिकारी, जोनल दंडाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जा चुकी है। साथ ही प्रश्नपत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्रियों के सुरक्षित संधारण एवं परिवहन, परीक्षा अवधि में विधि-व्यवस्था संधारण, यातायात प्रबंधन तथा जिला नियंत्रण कक्ष के माध्यम से सतत निगरानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने तथा आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा सन्नी वर्धन, सभी केंद्राधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती कंचन कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता एनसीओआरडी समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

जनजागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने का निर्देश

संवाददाता

203

चतरा : समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में बुधवार उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में नारकोटिक्स कंट्रोल समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अवैध अफीम की खेती की रोकथाम, विनष्टीकरण अभियान, जागरूकता गतिविधियों एवं विभागीय समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं वन विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर संवेदनशील क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देने पर बल दिया।

उपायुक्त ने कहा कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करते हुए संबंधित विभाग निर्धारित अवधि के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं।उन्होंने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में एंटी नारकोटिक क्लब का गठन करने एवं छात्र-छात्राओं के बीच नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, बैनर, संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में पूर्व में अवैध अफीम की खेती की गई है, वहां विशेष जागरूकता अभियान संचालित कर स्थानीय लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करने को कहा।बैठक में कृषि विभाग को उर्वरक विक्रेताओं द्वारा निर्धारित अभिलेखों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया। वहीं बिना चिकित्सकीय परामर्श-पत्र (प्रिस्क्रिप्शन) के प्रतिबंधित इंजेक्शन एवं दवाओं की बिक्री पर प्रभावी निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा गया।बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अनिमेष नैथानी, वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी) राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, सिमरिया के अनुमंडल पदाधिकारी, चतरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन, जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद, सभी संबंधित अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

परसोनिया नदी पुल निर्माण में बड़ी लापरवाही

35 फीट गहरे मौत के गड्ढे बने हादसे का इंतजार, यात्री पड़ाव पर भी अवैध कब्जा

बरसों पुरानी मांग पर शुरू हुआ पुल निर्माण,लेकिन संवेदक की लापरवाही से ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

चतरा : जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड क्षेत्र की सिंघानी पंचायत स्थित सिंघानी चौक के समीप परसोनिया नदी पर वर्षों से चली आ रही ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित पुल निर्माण की मांग आखिरकार पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है। पुल निर्माण कार्य प्रारंभ होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है, लेकिन अब निर्माण कार्य में बरती जा रही कथित लापरवाही लोगों की चिंता का कारण बन गई है।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पुल निर्माण के दौरान बनाए गए पिलरों के चारों ओर लगभग 30 से 40 फीट गहरे गड्ढे खोदे गए हैं, जिनमें वर्तमान समय में 30 से 35 फीट तक पानी भरा हुआ है। हैरानी की बात यह है कि इन जानलेवा गड्ढों के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से न तो बैरिकेडिंग की गई है और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर पुल का निर्माण किया जा रहा है, उसके ठीक बगल से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों,

किसानों, महिलाओं, बच्चों एवं पशुओं का आवागमन होता है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति या पशु अनजाने में इन गहरे पानी भरे गड्ढों में गिर जाता है तो उसकी जान बचाना बेहद मुश्किल होगा। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

यात्री पड़ाव पर अवैध कब्जे का भी आरोप : ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि पुल निर्माण कार्य कर रहे संवेदक द्वारा गांव के एकमात्र यात्री पड़ाव पर भी अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। यह यात्री पड़ाव आसपास के ग्रामीणों, खेतों से लौटने वाले किसानों तथा दूर-दराज से आने-जाने वाले लोगों के लिए बारिश, धूप और अन्य प्रतिकूल मौसम में ठहरने का एकमात्र सहारा है। इसके कब्जे में होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि यात्री पड़ाव को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए ताकि आम लोगों को पूर्व की तरह इसका लाभ मिल सके।

सुरक्षा मानकों का पालन कराने की मांग : स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि पुल निर्माण स्थल पर तत्काल सुरक्षा घेराबंदी (बैरिकेडिंग), चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

मेट्रो रेज अखबार रखेगा हर गतिविधि पर नजर : प्रमुख हिंदी सांध्य दैनिक मेट्रो रेज 'अखबार क्षेत्रहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण जनसरोकार के मुद्दे को लगातार प्रमुखता से उठाता रहेगा। पुल निर्माण कार्य से जुड़ी किसी भी प्रकार की अनियमितता, सुरक्षा संबंधी लापरवाही, गुणवत्ता, निर्माण की प्रगति अथवा अन्य समस्याओं की जानकारी समय-समय पर समाचार के माध्यम से पाठकों तक पहुंचाई जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार पुलिस पदाधिकारी हुए सम्मानित

चतरा : एसपी अनिमेष नैथानी ने अपराध समीक्षा बैठक के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार पुलिस पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार करने पर प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी व हंटरगंज थाना के एसआई नीतेश कुमार प्रसाद को सम्मानित किया गया। वहीं राजपुर थाना क्षेत्र में प्रमोद कुमार हत्याकांड मामले का उद्भेदन करने पर तत्कालीन जेएसआई और सिमरिया के वर्तमान थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं राजपुर थाना के एसआई संदीप कुमार को सम्मानित किया गया। एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी व समर्पण के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए आम लोगो को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने की बात कही।

हेमंत सोरेन ने की पथ निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

पारदर्शिता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें : सीएम

संवाददाता

रांची: सरकार के कामकाज की समीक्षा करने में जुटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पथ निर्माण विभाग की योजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। झारखंड मंत्रालय में हुई समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा पिछले पांच वर्षों की कार्य योजनाओं, निमार्णाधीन और पूर्ण हो चुके कार्यों की विस्तृत प्रस्तुति दी गई। जिसमें सड़कों, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज एवं पुल-पुलियों से संबंधित परियोजनाओं के स्थिति की जानकारी दी गई।

लंबित परियोजना पर सीएम ने जताई नाराजगी : समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री लंबित परियोजना पर नाराज दिखे। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में विलंब और लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्य योजनाओं की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित की जाए और उन्हें निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जाए। लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। किसी भी परियोजना में निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

परियोजनाओं का डेटाबेस व जियो-टैगिंग अनिवार्य : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने समीक्षा बैठक के दौरान पथ निर्माण विभाग को सभी परियोजनाओं का अद्यतन एवं सुव्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने तथा जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की स्थिति, लागत, समय-सीमा और प्रगति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध हो, ताकि कार्यों की सटीक निगरानी की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जियो-टैगिंग से पारदर्शिता बढ़ेगी और निगरानी प्रणाली मजबूत होगी।

साथ ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं की समय पर पहचान कर शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी निमार्णाधीन और पूर्ण परियोजनाओं का अद्यतन विवरण नियमित रूप से उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि इससे जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित होगी और आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से सड़कों की खराब स्थिति, गड्ढों, जलजमाव एवं निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की लगातार जानकारी मिल रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करें तथा उनका अद्यतन रिकॉर्ड रखें।

बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्षा ऋतु में सड़कों की स्थिति बिगड़ने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और सड़कों की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही संकीर्ण मार्गों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कर यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए।

लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने का निर्देश : समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निमार्णाधीन परियोजनाओं में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में कई सड़कें, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलिया परियोजनाएं वर्षों से लंबित हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची सहित अन्य क्षेत्रों की लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ प्रमुख परियोजनाओं को आगामी दो माह के भीतर पूरा किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, मुख्यमंत्री ने सोलर साइकिल ट्रैक एवं अन्य नवीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता, मजबूती एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने पुल-पुलिया के किनारों को सुदृढ़ बनाने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने और सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता मानकों के पालन के निर्देश दिए।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों का किया अभिनंदन

संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राठी, राष्ट्रीय सचिव बबीता बगड़िया, राष्ट्रीय अंचल प्रमुख अनीता अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष प्रभा पाड़िया, प्रदेश सचिव मनीषा मित्तल एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष ललिता सरायवाला के रांची आगमन पर हॉलीडे होम में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व रांची शाखा संरक्षिका एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल तथा राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल ने किया। समारोह का शुभारंभ रांची शाखा की निवर्तमान अध्यक्ष मधु सर्राफ के शंखनाद से हुआ। अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। राशि सरावगी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की, जिसके बाद सभी पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की।

निधि सर्राफ ने ओम् उच्चारण, गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय जाप के माध्यम से वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। वहीं सरिता मेवाड़ा ने सम्मेलन की प्रार्थना ह्लहमको मन की शक्ति देनाह्व प्रस्तुत कर सभी को भाव-विभोर कर दिया।

रांची शाखा अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। अभिनंदन गीत के साथ अतिथियों को दुपट्टा, पौधे, स्वनिर्मित पेंटिंग तथा क्रोशिए के गजरे एवं गुलाब पुष्प भेंट कर सम्मान प्रकट किया गया। सृजन शाखा अध्यक्ष नेहा सरावगी ने भी पदाधिकारियों का स्वागत किया। शाखा सचिव उर्मिला पाड़िया ने रांची शाखा के सेवा कार्यों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि सृजन शाखा की रीता मोदी ने सचिव प्रतिवेदन दिया।

सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली रांची की छात्रा अवनि कुमारी को प्रदेश अध्यक्ष प्रभा पाड़िया ने सम्मानित कर उसका उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण प्रकल्प में उत्कृष्ट योगदान के लिए रेखा जैन एवं प्रीति बंका को राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राठी एवं राष्ट्रीय सचिव बबीता बगड़िया के हाथों मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

बाल विकास प्रकल्प के तहत शिवनारायण कन्या पाठशाला में कक्षा 8 की छात्राओं को गणित का निःशुल्क प्रशिक्षण देने वाली उषा विजयवर्गीय को शिक्षाकोष से ?5100 की राशि प्रदेश अध्यक्ष के हाथों प्रदान की गई।

शिवनारायण कन्या पाठशाला की छह छात्राओं, जिन्होंने नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में सफलता हासिल की है, को राष्ट्रीय सचिव द्वारा कॉपी, किताब एवं कलम देकर प्रोत्साहित किया गया। कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में चार विषयों में ए+ प्राप्त करने वाली तान्या सिंह मुंडा को भी कॉपी, ग्रामर पुस्तक, कलम एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

अभिनंदन नृत्य प्रस्तुत करने वाली पांच बालिकाओं को प्रदेश कोषाध्यक्ष ललिता सरायवाला ने उपहार देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प के अंतर्गत आयोजित कहानी लेखन प्रतियोगिता की छह विजेता बालिकाओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव ने पंचतंत्र की कहानी पुस्तक एवं मोमेंटो प्रदान किए।

पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर भागा थार चालक गिरफ्तार, वाहन जब्त

रांची : मोरहाबादी प्राइम पार्क के पास पुलिस पेट्रोलिंग टीम को टक्कर मारकर भागने वाले थार चालक को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना 14 जुलाई की सुबह करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, पेट्रोलिंग पार्टी ने मोरहाबादी प्राइम पार्क के पास एक काले रंग की थार को संदिग्ध स्थिति में देखा। वाहन में पूरी तरह ब्लैक फिल्म लगी थी, विंडशील्ड टूटा हुआ था और पीछे का नंबर मिट्टी लगाकर छिपाया गया था। पुलिस टीम जब वाहन को रोककर जांच करने का प्रयास कर रही थी, तभी चालक ने तेज और लापरवाही से गाड़ी भगाते हुए पेट्रोलिंग वाहन के चालक को गिरा दिया।

इस घटना में पुलिसकर्मी के सिर पर गंभीर चोट आई, जिसके बाद उनके सिर में पांच टांके लगाए गए। हालांकि, उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस ने वाहन का नंबर पता लगाकर प्राथमिकी दर्ज की और छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विश्राम उरांव (38 वर्ष), निवासी बरियातू, रांची के रूप में हुई है। पुलिस ने थार को भी जब्त कर लिया है।

रांची पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि जांच अभियान के दौरान पुलिस का सहयोग करें। पुलिस का कहना है कि अपराध नियंत्रण और आम जनता की सुरक्षा के लिए शहर में लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. अमिया सुरीन के निधन पर संविदा शिक्षकों में शोक

नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा की उठी मांग

संवाददाता

रांची। डोरंडा कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग (मुंडारी) की 48 वर्षीय नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमिया सुरीन के असामयिक निधन पर झारखंड असिस्टेंट प्रोफेसर कॉन्ट्रैक्चुअल एसोसिएशन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संघ ने इस घटना को राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से कार्यरत संविदा शिक्षकों की असुरक्षित सेवा व्यवस्था का चिंताजनक उदाहरण बताते हुए सरकार से तत्काल नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

संघ के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार झा ने कहा कि डॉ. अमिया सुरीन का निधन उच्च शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों में लगभग 700 नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर पिछले साढ़े आठ वर्षों से सेवा दे रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें नियमित सेवा, स्वास्थ्य बीमा, भविष्य निधि, पेंशन, पारिवारिक पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं।

संघ के सचिव डॉ. ब्रह्मानंद साहू ने कहा कि अनिश्चित सेवा, आर्थिक असुरक्षा और भविष्य की चिंता के बीच कार्य करना नीड बेस्ड शिक्षकों के लिए बेहद कठिन है। गंभीर बीमारी या असामयिक निधन की स्थिति में उनके परिवार पूरी तरह असुरक्षित हो जाते हैं।

कोषाध्यक्ष डॉ. सुमंत कुमार ने राज्यपाल-सह-कुलाधिपति, राज्य सरकार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग तथा विश्वविद्यालय प्रशासन से नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसरों के नियमितीकरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि नियमितीकरण तक सभी शिक्षकों को स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, चिकित्सा सहायता, भविष्य निधि और अन्य कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

संघ के प्रवक्ता डॉ. हरेंद्र पंडित ने कहा कि जो शिक्षक हजारों विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहे हैं, उनके अपने परिवार का भविष्य असुरक्षित रहना चिंता का विषय है। वहीं, मीडिया प्रभारी डॉ. बीरेंद्र कुमार महतो ने बताया कि डॉ. अमिया सुरीन अपने पीछे सात वर्षीय पुत्री सहित शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना सैकड़ों नीड बेस्ड शिक्षकों की असुरक्षा की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

संघ ने सरकार से अपील की कि डॉ. अमिया सुरीन के असामयिक निधन को एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेते हुए नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसरों के नियमितीकरण, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों के संरक्षण के लिए अविलंब ठोस निर्णय लिया जाए। संघ का कहना है कि यही दिवंगत शिक्षिका के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर संघ के कई पदाधिकारियों एवं सैकड़ों शिक्षकों ने डॉ. अमिया सुरीन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सरकार से संविदा शिक्षकों के जीवन, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग दोहराई।

राशन कार्ड रद्द करने से पहले स्वैच्छिक सुधार का अवसर देने की मांग

रांची : खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के निर्देश पर राज्य में राशन कार्डों के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत अयोग्य पाए जाने वाले लाभुकों के नाम राशन कार्ड सूची से हटाने (डिलीट) का निर्देश दिया गया है।

जिला आपूर्ति कार्यालय, रांची की ओर से ऐसे लाभुकों को आर्थिक दंड जमा करने, राशन कार्ड वापस करने या अपना पक्ष रखने का निर्देश जारी किया गया है। इस मामले को लेकर रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो ने उपायुक्त रांची और विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी से आग्रह किया है कि अयोग्य लाभुकों को सीधे कार्रवाई से पहले स्वेच्छा से राशन कार्ड सरेंडर करने या नाम हटवाने का अवसर दिया जाए।

महापौर ने कहा कि अन्य जिलों में भी लाभुकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सुधार का मौका दिया गया है। इसी तरह रांची में भी आम नागरिकों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन आम लोगों को नियमों की जानकारी और स्वैच्छिक सुधार का मौका मिलने से अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकेगा।

रांची के हर वार्ड में बनेगा ओपन जिम

रांची : रांची शहर में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची सांसद संजय सेठ, महापौर रोशनी खलखो तथा उप महापौर नीरज कुमार ने बुधवार को एयरपोर्ट कॉलोनी में प्रस्तावित ओपन जिम निर्माण स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। यह निरीक्षण शहर के प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत किया गया।

गौरतलब है कि रांची नगर निगम परिषद की बैठक में सांसद संजय सेठ ने शहर के सभी वार्डों में ओपन जिम स्थापित कराने की घोषणा की थी, ताकि युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को अपने ही क्षेत्र में निःशुल्क आधुनिक व्यायाम सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

निरीक्षण के दौरान संजय सेठ ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम बनने से लोगों में नियमित व्यायाम की आदत विकसित होगी, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए। महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल मूलभूत नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि शहरवासियों को बेहतर जीवनशैली प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम बनने से नागरिकों को घर के निकट ही स्वास्थ्यवर्धक वातावरण मिलेगा और ह्लस्वस्थ रांची, सशक्त रांचीह्व के संकल्प को नई दिशा मिलेगी। उप महापौर नीरज कुमार ने इस परियोजना को शहर के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह सुविधा विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी तथा शहर में फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देगी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थल की उपलब्ध भूमि, पहुंच मार्ग, सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और अन्य आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। रांची नगर निगम इस परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू करेगा, ताकि भविष्य में शहर का प्रत्येक वार्ड आधुनिक ओपन जिम सुविधा से सुसज्जित हो सके। इस अवसर पर नगर निगम के संबंधित अधिकारी एवं अभियंता भी उपस्थित रहे।

हरमू मुक्ति धाम से सहजानंद चौक तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची : शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के उद्देश्य से रांची नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में हरमू मुक्ति धाम से सहजानंद चौक तक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई टाइल्स फ्लोरिंग तथा अन्य अस्थायी निमार्णों को हटाया गया। नगर निगम के अनुसार ये निर्माण सार्वजनिक मार्ग और फुटपाथ पर अतिक्रमण की श्रेणी में पाए गए थे, जिससे आम नागरिकों और राहगीरों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। इसके अलावा शनि मंदिर से मुक्ति धाम तक के क्षेत्र में भवन उपविधियों के उल्लंघन और बेसमेंट में पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान का व्यावसायिक उपयोग किए जाने के मामले में 10 भवन स्वामियों को नोटिस जारी किया गया। संबंधित भवन मालिकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक वैधानिक दस्तावेज नगर निगम कार्यालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बेसमेंट एवं पार्किंग क्षेत्र का उपयोग केवल वाहन पार्किंग के लिए ही किया जाना चाहिए। यदि पार्किंग स्थल का व्यावसायिक उपयोग पाया गया तो संबंधित प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोरहाबादी के हटाए गए वेंडरों को मिलेगा नया ठिकाना

टैगोर हिल के पास प्रस्तावित स्थल का महापौर-उप महापौर ने किया निरीक्षण

45 डिसमिल भूमि पर विकसित होगा नया वेंडिंग जोन

रांची : रांची नगर निगम ने शहर में सुव्यवस्थित और स्थायी वेंडिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। इसी क्रम में महापौर रोशनी खलखो और उप महापौर नीरज कुमार ने मोरहाबादी स्थित टैगोर हिल के समीप लगभग 45 डिसमिल गैरमजरूआ भूमि का संयुक्त निरीक्षण किया। इस स्थल को मोराबादी मैदान से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास के लिए प्रस्तावित किया गया है।

निरीक्षण के दौरान महापौर और उप महापौर ने बड़ी संख्या में मौजूद वेंडरों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को सुना। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम का उद्देश्य किसी भी वेंडर की आजीविका को प्रभावित करना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित, व्यवस्थित और स्थायी व्यवसायिक स्थल उपलब्ध कराना है। इससे एक ओर वेंडरों को बेहतर कार्यस्थल मिलेगा, वहीं दूसरी ओर शहर की यातायात व्यवस्था, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस दौरान अधिकांश वेंडरों ने नगर निगम की इस पहल का स्वागत किया और इसे उनकी आजीविका की सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। कई वेंडरों ने प्रस्तावित स्थल पर अपनी दुकानें स्थापित करने के लिए सहमति भी जताई तथा नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त किया।

महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता विकास और आजीविका के बीच संतुलन बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र वेंडर को सम्मानजनक एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपना व्यवसाय संचालित कर सकें।

उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि नगर निगम वेंडरों के हितों की रक्षा करते हुए शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित वेंडिंग जोन भविष्य में वेंडरों और आम नागरिकों, दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित वेंडिंग स्थल पर आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की दिशा में जल्द कार्रवाई की जाएगी, ताकि वेंडर बिना किसी परेशानी के अपना व्यवसाय शुरू कर सकें।

निरीक्षण के दौरान सहायक प्रशासक, नगर अभियान प्रबंधक, प्रवर्तन पदाधिकारी (एनफोर्समेंट ऑफिसर) सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी को शो-कॉज

रांची : शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने 14 जुलाई की देर रात एसपी सिटी के साथ विभिन्न थानों, रात्रि गश्ती और महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की ड्यूटी, अनुशासन और आपातकालीन तैयारियों की जांच की गई। ररढ ने शहर के प्रमुख सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर तैनात गार्डों की ड्यूटी का भी जायजा लिया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न हो।

इस दौरान हिंदपीढ़ी थाना में अनुशासनहीनता मिलने पर थाना प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण में ओडी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी वर्दी में नहीं मिले। साथ ही थाना प्रभारी को अपने ओडी अधिकारी का नाम तक जानकारी नहीं होने पर एसएसपी ने नाराजगी जताई। एसएसपी ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर पीसीआर वैन की भी जांच की और उनकी सक्रियता को परखा। बेहतर तरीके से ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों की सराहना भी की गई।

न्यायालय : अनुमण्डल दण्डाधिकारी, रामगढ़
धारा– 163 बी०एन०एस०एस०

निशेधाज्ञा आदेश

सचिव, झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 06/परीक्षा–01–04/2024 आ0–2343, दिनांक 22.06.2026 में निहित निर्देशानुसार एवं संयुक्त जिला आदेश ज्ञापांक 317/स्था0 रामगढ़ दिनांक 14.07.2026 के द्वारा झारखण्ड क्षेत्रिय कार्यकर्त्ता प्रतियोगिता परीक्षा–2024 दिनांक 19.07.2026 को तीन पालियों में प्रथम पाली Paper III 08:30 बजे पूर्वाह्न से 10:30 बजे पूर्वाह्न तक, द्वितीय पाली Paper II 11:30 बजे पूर्वाह्न से 01:30 बजे अपराह्न तक एवं तृतीय पाली Paper I 03:30 बजे अपराह्न से 05:30 बजे अपराह्न तक इस जिले के विभिन्न 30 परीक्षा केन्द्रों में संचालित होने की सूचना दी गई है।

झारखण्ड क्षेत्रिय कार्यकर्त्ता प्रतियोगिता परीक्षा–2024 को स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु यह आवश्यक है कि अवांछनीय व्यक्तियों को परीक्षा केन्द्रों एवं उसके आस–पास जाने से रोका जाय ताकि परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

अतः मैं कृष्ण मुरारी तिर्की, झा0प्र0से0, अनुमण्डल दण्डाधिकारी, रामगढ़ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के धारा के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रामगढ़ जिले के सभी 30 परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर की परिधि में दिनांक 19.07.2026 को परीक्षा समाप्ति तक धारा 163 बी.एन.एस.एस. के अंतर्गत निम्न निषेधाज्ञा आदेश जारी करता हूँ।

1. कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्र एवं उसके 100 मीटर की परिधि में प्रवेश नहीं करेंगे। यह आदेश परीक्षा में प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, परीक्षा कार्य के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षक एवं कर्मचारी, परीक्षार्थियों पर लागु नहीं होगा।
2. कोई भी व्यक्ति हथियार लेकर निशेधाज्ञा क्षेत्र में प्रवेश नही करेंगे। यह आदेश विधि व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियो पर लागु नहीं होगा।
3. ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग निशेधित क्षेत्र में नहीं होगा।
4. निशेधित क्षेत्र में किसी प्रकार का नारेबाजी, सभा, जुलुस आदि नहीं होगा।

उपरोक्त आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (B.N.S.S) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कारवाई की जायेगी।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से आज दिनांक 15.07.2026 को जारी किया गया।

ह0/–
अनुमण्डल दण्डाधिकारी, रामगढ़

PR 385050 District(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आर्थिक कूटनीति का नया भारत और प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ऐसे समय हुई है, जब पूरी दुनिया नई आर्थिक साझेदारियों की तलाश में है। चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यह न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे हम कम से कम सामान्य राजनयिक घटना नहीं मान सकते हैं। वस्तुतः यह भारत की बदलती आर्थिक कूटनीति का सशक्त संकेत बनकर सामने आया है। यह यात्रा बताती है कि भारत अब अपनी विदेश नीति को सीधे आर्थिक विकास, निवेश, प्रौद्योगिकी, व्यापार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जोड़ रहा है। वास्तव में यह उस नए भारत की विदेश नीति है, जिसमें हर राजनयिक पहल का अंतिम लक्ष्य देश की आर्थिक शक्ति को बढ़ाना है।कहना होगा कि भारत ने बीते एक दशक में भारत ने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। पहले जहां राजनीतिक संवाद और रणनीतिक सहयोग प्रमुख विषय हुआ करते थे, वहीं अब व्यापार, निवेश, स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और सप्लाई चेन साझेदारी हर उच्चस्तरीय वार्ता का केंद्रीय हिस्सा बन चुके हैं। न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को ₹रणनीतिक साझेदारी₹ तक पहुंचाने का निर्णय लिया। पहली नजर में यह एक कूटनीतिक घोषणा लग सकती है, लेकिन इसके पीछे आर्थिक सोच कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर सात अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक रूप से जोड़ने की रणनीति है। भारत यह संदेश भी दे रहा है कि वह निवेश, नवाचार और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क का विश्वसनीय साझेदार बनना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बनी सहमति इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में है। भारत अब उन देशों के साथ एफटीए को प्राथमिकता दे रहा है, जहां घरेलू उद्योगों के हित सुरक्षित रहते हुए नए अवसर प्राप्त किए जा सकें। इस समझौते का लाभ निर्यात बढ़ाने के साथ ही बहुत व्यापक है। वस्तुतः यह डेयरी विज्ञान, कृषि अनुसंधान, खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी, वानिकी, डिजिटल सेवाएं, शिक्षा, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग के साथ दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा देगा। भारत की विशाल उपभोक्ता क्षमता और न्यूजीलैंड की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर ऐसी मूल्य श्रृंखला तैयार कर सकती है, जिसका लाभ दोनों देशों को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत को जिन क्षेत्रों में निवेश का निमंत्रण दिया, वे सभी अति महत्व रखते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इकॉनमी, शहरी गतिशीलता, विमानन, जल प्रबंधन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्र आने वाले दशक की भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास इंजन माने जा रहे हैं। दरअसल, भारत अब विदेशी कंपनियों को सिर्फ अपने बाजार तक पहुंच नहीं दे रहा, वह उन्हें भारत के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दे रहा है। यही कारण है कि ₹मेक इन इंडिया₹ की अवधारणा अब ₹पार्टनर विद इंडिया₹ के रूप में विकसित होती दिखाई दे रही है। विश्व अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा परिवर्तन पिछले पांच वर्षों में सप्लाई चेन के पुनर्गठन के रूप में सामने आया है। एक देश पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को वैकल्पिक उत्पादन केंद्र खोजने के लिए प्रेरित किया है। ₹चाइना प्लस वन₹ रणनीति ने भारत को अभूतपूर्व अवसर प्रदान किया है। भारत इस अवसर का लाभ कम लागत वाले उत्पादन केंद्र के रूप में उठाने के साथ एक ऐसे लोकतांत्रिक, स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है, जहां उत्पादन, नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक वितरण एक साथ विकसित हो सकें। ऐसे में कहना यही होगा कि न्यूजीलैंड के साथ कृषि मूल्य श्रृंखला, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और समुद्री सहयोग पर दिया गया जोर इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

भारत और न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्थाएं भले अलग प्रकृति की हों, लेकिन उनकी ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। न्यूजीलैंड कृषि अनुसंधान, डेयरी, पशुपालन और खाद्य गुणवत्ता में अग्रणी है, जबकि भारत के पास विशाल कृषि बाजार, कृषि स्टार्टअप, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता आधार है। यदि यह सहयोग व्यवहारिक स्तर तक पहुंचता है, तो भारतीय कृषि उत्पादन आधारित होने के साथ उच्च मूल्य वाली कृषि अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ेगी। इससे किसानों की आय, निर्यात क्षमता और ग्रामीण रोजगार इन तीनों को नई गति मिल सकती है। दुनिया आज भारत को बड़ी आबादी वाले देश के रूप में देखने के साथ उसे डिजिटल परिवर्तन के मॉडल के रूप में भी पहचान रही है। यूपीआई, डिजिटल भुगतान प्रणाली, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और फिनटेक ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इस न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान नवाचार, उभरती प्रौद्योगिकी और फिनटेक सहयोग पर विशेष बल दिया गया। यहां यह भी ध्यान देने योग्य है कि न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय की जो भूमिका है, वह व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और उद्यमिता में दोनों देशों के बीच भरोसे का आधार तैयार करती है। आज प्रवासी भारतीय निवेश, नवाचार, स्टार्टअप सहयोग और बाजार विस्तार के सबसे प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। यही कारण है जो न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन द्वारा भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक शक्ति और हिंद-प्रशांत का प्रमुख साझेदार बताया जा रहा है। वे देख रहे हैं कि भारत भविष्य की आर्थिक वृद्धि के केंद्र के रूप में है। वास्तव में भारत भू-अर्थनीति का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उसकी विदेश नीति का लक्ष्य स्पष्ट है; विश्वसनीय साझेदारी, सुरक्षित सप्लाई चेन, तकनीकी सहयोग, मुक्त व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश प्रवाह के माध्यम से भारत की आर्थिक क्षमता का अधिकतम विस्तार। प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसी व्यापक दृष्टि का सशक्त उदाहरण है। यह यात्रा बताती है कि आने वाले वर्षों में भी भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा उद्देश्य अपने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को आर्थिक समृद्धि में बदलते रहना होगा। यदि यही नीति निरंतरता के साथ आगे बढ़ती है, तो भारत निश्चित ही वैश्विक निवेश, नवाचार, उत्पादन और विश्वसनीय सप्लाई चेन का केंद्रीय स्तंभ बनने की दिशा में भी निर्णायक बढ़त हासिल करेगा। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा लक्ष्य है और यही भारत की नई आर्थिक कूटनीति की वास्तविक पहचान भी आज के वक्त में हमें नजर आती है।

मानसून की चुनौती: आखिर स्मार्ट शहर भी क्यों हो रहे हैं बेबस?

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है।

- योगेश कुमार गोयल

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढ़ांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल ह्यप्राकृतिक आपदाह्न कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में ह्यलिडारह्न तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और ह्यरॉकफॉल बैरियर्सह्न के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूवार्नुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते। यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन (ह्यआपदा के बाद राहतह्न से ह्यआपदा से पहले तैयारीह्न की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ह्यडिजिटल ड्रेनेज ऑडिटह्न को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही ह्यस्पंज सिटीह्न मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शहरों में पैदल चलने का अधिकार या संघर्ष ?

भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊंचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है, लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित है- क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में उपलब्ध है? राइट टू वॉक केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है। भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है। स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दर्शाता है।

भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं। यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊंचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते।

यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएंगे जब प्रत्येक नागरिक– चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो- समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्रायः इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहां पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है। विश्व के अनेक देशों ने पिछले वर्षों में 'वॉकेबल सिटी' की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने महसूस किया कि अत्यधिक वाहन-निर्भरता प्रदूषण, ऊर्जा संकट, मानसिक तनाव, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक अलगाव को बढ़ाती है। इसके विपरीत पैदल चलने योग्य शहर स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक संवाद को मजबूत करते हैं। जब लोग पैदल चलते हैं तो स्थानीय बाजारों में अधिक खरीदारी करते हैं, छोटे व्यवसायों को लाभ मिलता है, सामुदायिक संबंध मजबूत होते हैं और शहर अधिक जीवंत बनते हैं। पैदल चलना सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। नियमित पैदल चलना मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी अनेक जीवनशैली संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करता है। यदि शहर लोगों को पैदल चलने के लिए प्रेरित करें तो स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय भी कम हो सकता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी 'राइट टू वॉक' अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के अधिकांश बड़े शहर वायु प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग पैदल चलने लगें तो ईंधन की खपत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में भी सहायता मिलेगी। स्मार्ट सिटी की अवधारणा केवल डिजिटल तकनीक या निगरानी प्रणाली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक स्मार्ट सिटी वह है जहां बच्चा सुरक्षित स्कूल जा सके, बुजुर्ग बिना भय के पार्क तक पहुंच सके, महिला रात में भी आत्मविश्वास के साथ चल सके और दिव्यांग व्यक्ति बिना किसी बाधा के सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। भारत में सड़क सुरक्षा की चुनौती भी 'राइट टू वॉक' से गहराई से जुड़ी हुई है। तेज गति, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अव्यवस्थित ट्रैफिक और पैदल पारपथों की कमी प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान लेती है। अनेक दुर्घटनाएं केवल इसलिए होती हैं क्योंकि लोगों को सड़क पार करने के लिए सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती। शहरों में अक्सर देखा जाता है कि फुटओवर ब्रिज या सबवे तो बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता, दूरी और पहुँच का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जाता। कई बार बुजुर्ग, महिलाएं या दिव्यांगजन उनका उपयोग नहीं कर पाते और मजबूर होकर सड़क पार करते हैं। इसलिए केवल संरचना बना देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे मानव-केंद्रित बनाना आवश्यक है।

राइट टू वॉक सामाजिक न्याय से भी जुड़ा हुआ है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सार्वजनिक परिवहन और पैदल यात्रा पर अधिक निर्भर रहता है। यदि शहर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं होंगे तो सबसे अधिक नुकसान इन्हीं वर्गों को होगा। दूसरी ओर निजी वाहन रखने वाले अपेक्षाकृत सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर पाएँगे। इस प्रकार शहरी ढांचा अनजाने में सामाजिक असमानताओं को और गहरा कर देता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सड़कों की योजना बनाते समय पैदल यात्रियों को प्राथमिक उपयोगकर्ता माना जाए। फुटपाथ पर्याप्त चौड़े, समतल, बाधा-मुक्त और निरंतर होने चाहिए।

आत्मचिंतन, साधना और प्रकृति से जुड़ने का पावन महीना

हिंदू उत्तर भारतीय पूर्णिमांत पंचांग के अनुसार 30 जून से, जबकि दक्षिण भारत, महाराष्ट्र और गुजरात आदि में प्रचलित अमांत पंचांग के अनुसार 15 जुलाई से आषाढ़ मास का आरंभ होगा। सामान्यतः आषाढ़ को वर्षा ऋतु का पहला महीना माना जाता है। इसलिए जब भी आषाढ़ मास का उल्लेख होता है, तो सबसे पहले मानसून की रिमझिम वर्षा का मनोहारी दृश्य हमारी आंखों के सामने उभर आता है। लेकिन भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में आषाढ़ माह सिर्फ बारिश का महीना नहीं है बल्कि यह आत्मचिंतन, संयम और साधना का भी महत्वपूर्ण माह है। इसलिए कहते हैं आषाढ़ माह में तो प्रकृति भी साधना का संदेश देती है। दरअसल, यह कहने के पीछे कारण यह है कि तपती धरती पर

जब वर्षा की रिमझिम फुहार पड़ती है और सूखी नदियां बहने लगती हैं, खेतों में हरियाली लौट आती है, तो हर तरफ एक आंतरिक खुशी और उल्लास की लहर दौड़ जाती है। भारतीय ऋषियों ने इस प्राकृतिक परिवर्तन को मनुष्य के भीतर होने वाले परिवर्तन से जोड़ा था और उनका स्पष्ट संदेश था– जैसे धरती वर्षा से नई ऊर्जा पाती है, वैसे ही मनुष्य भी आत्मचिंतन और साधना के जरिये नया जीवन पा सकता है। इसलिए आषाढ़ माह का भारत के आध्यात्मिक जगत में एक आत्मचिंतन माह के रूप में बहुत महत्व है।

इस माह में अनेक धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न होते हैं। यह मन, शरीर और समाज तीनों के संतुलन का महीना है। यही कारण है कि इस महीने को भारतीय संस्कृति में विशेष सम्मान प्राप्त है। प्राचीन भारत में ऋषि, मुनि पूरे वर्ष तीर्थयात्रा और ज्ञान उपदेश जैसे समाज सेवा में लगे रहते थे। मगर वर्षा ऋतु आते ही वे कहीं एक जगह रुककर अपने शिष्यों के साथ वेद, उपनिषद्, योग और दर्शन पर निरंतर वृहद चर्चा और शिक्षा शुरू कर देते थे। इसी परंपरा को वषार्वास या चातुर्मास भी कहते हैं, जो आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी से शुरू होता है, जो इस साल 25 जुलाई को है। वास्तव में वषार्वास जो कि आषाढ़ माह से शुरू होता है, उसके लिए माहौल आषाढ़ माह के पहले दिन से ही बनने लगता है। जहां तक आज के समय की बात है तो आज तो हम इतना सूक्ष्म नहीं सोचते, लेकिन प्राचीनकाल में ऋषि, मुनि इसलिए वषार्काल में यानी आषाढ़ माह से अपनी यात्राएं स्थगित कर देते थे, क्योंकि वर्षा के दिनों में असंख्य सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते हैं, जो लगातार इंसान के यात्रा अतिक्रमण से नष्ट हो सकते हैं। इसलिए प्राचीनकाल में वर्षा के समय जो लोग जहां होते थे, वहीं रहकर आत्मचिंतन और साधना की कोशिश करते थे। इसलिए

टिप्स

बरसात में संक्रमण से बचाएगी हेल्दी डाइट

बारिश का मौसम गर्मी से भले राहत देता है, लेकिन कई तरह की स्वास्थ्य चुनौतियों को भी लेकर आता है। दरअसल इन दिनों वातावरण में नमी काफी ज्यादा बढ़ जाती है। जिससे बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं। नतीजतन सर्दी, जुकाम, वायरल बुखार, पेट के संक्रमण, फूड प्वॉइजनिंग और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती है। महिलाओं के लिए यह मौसम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है, कि वे अकसर घर और कार्यस्थल की दोहरी जिम्मेदारियां निभाती हैं। इसलिए इन दिनों खास तौरपर कामकाजी महिलाओं को अपने खानपान पर ध्यान देना चाहिए, नहीं तो थकान, कमजोरी और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। जानकारों का मानना है कि मानसून के दिनों में स्वस्थ रहने का एक सबसे आसान और प्रभावी उपाय है –संतुलित, ताजा और पौष्टिक भोजन। सही डाइट इन दिनों महिलाओं की न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है बल्कि स्वस्थ रहने से इनकी ब्यूटी में भी निखार आता है। त्वचा, बालों आदि में स्वस्थ डाइट से असर साफ दिखता है। इसलिए बारिश के मौसम में हेल्दी डाइट का चुनाव करना जरूरी है। आइये जानते हैं यह कैसे संभव है। प्रोटीन व विटामिन–सी से भरपूर भोजन इन दिनों शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना सबसे जरूरी होता है। इसलिए भोजन में विटामिन सी, एंटी–ऑक्सीडेंट और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। अपनी डाइट में जहां सब्जियों के मामले में हरी पत्तेदार सब्जियां, शिमला मिर्च और टमाटर को विशेष रूप से शामिल रखें, वहीं अमरुद, नींबू, संतरा और आंवला भी इन दिनों खाएं ताकि शरीर को भरपूर विटामिन–सी मिल सके। दालों में राजमा, चना, मूंग दाल जरूर खाएं और पनीर को प्रोटीन के लिए प्राथमिकता दें। इस मौसम में प्रोटीनयुक्त मजबूत डाइट महिलाओं के ऊतकों की मरम्मत अच्छी तरह से करती है, जिससे वे स्वस्थ भी रहती हैं और उनकी सुंदरता भी निखरती है। इस मौसम में अपने खानपान को लेकर एक बात का और ध्यान रखें। गर्म और ताजा खाना ही खाएं। मानसून के दिनों में बासी खाने से जितना बचे, उतना अच्छा है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न

नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की परखी गई तैयारी

संवाददाता

साहिबगंज:भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर जिला प्रशासन ने बुधवार को जिले में व्यापक सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल एवं एयर रेड ब्लैकआउट अभ्यास का सफल आयोजन किया।अपराह्न 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक चले इस अभ्यास में नागरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने,प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के आपसी समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया।जिले में तीन चिन्हित स्थलों प्रखंड कार्यालय परिसर,संध्या महाविद्यालय और साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में वास्तविक आपात स्थिति जैसा माहौल तैयार किया गया था।प्रखंड कार्यालय और संध्या कॉलेज में अपराह्न 4 बजे से जबकि रेलवे स्टेशन पर रात्रि 8 बजे से अभ्यास शुरू हुआ।

कैसे हुआ अभ्यास

अभ्यास के दौरान हवाई हमले की चेतावनी के रूप में सायरन बजते ही नागरिकों में हलचल देखी गई।इसके बाद निर्धारित अवधि के लिए ब्लैकआउट किया गया,जिसमें लोगों ने प्रशासन की अपील पर घरों, दुकानों की बिजली,इन्वर्टर और अन्य कृत्रिम प्रकाश स्रोतों को बंद रखा। चिन्हित सुरक्षित स्थानों तक नागरिकों की निकासी,घायलों को प्राथमिक उपचार देकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने और राहत-बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया गया।इस दौरान जिला पुलिस,होमगार्ड,एनसीसी, एनएसएस के कैडेटों और स्वयंसेवी संगठनों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे अभ्यास की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए बनाए गए शैडो कंट्रोल रूम से निगरानी की गई, वहीं ड्रोन और वीडियोग्राफी के माध्यम से ब्लैकआउट की प्रभावशीलता को परखा गया।संपूर्ण ड्रिल की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई जिसका विश्लेषण कर जिले के सिविल डिफेंस प्लान को और मजबूत बनाया जाएगा।मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइन्द, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद सहित जिला प्रशासन व पुलिस के वरीय अधिकारी मौजूद थे।अपर समाहर्ता विजय कुमार ने कहा कि आधुनिक आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए केवल प्रशासन ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना जरूरी है।यह मॉक ड्रिल संकट की घड़ी में सही निर्णय लेने की क्षमता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन ने इस पूर्व नियोजित अभ्यास में सहयोग के लिए साहिबगंज के नागरिकों का आभार जताया और अफवाहों से बचने की अपील की।मौके पर सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, सीओ बासुकिनाथ टुडु,जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी,दंडाधिकारी प्रमोद आनंद,जिला उद्यान पदाधिकारी, चन्द्रशेखर शर्मा,मुख्यालय डीएसपी रविकांत साव,मेजर रोहित दुबे,नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता, जीरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह,डॉ मोहन मुर्मू,संध्या कॉलेज प्राचार्य शंभूनाथ पाठक,गृह रक्षा वाहिनी कमांडेंट,अग्नि शमन पदाधिकारी एन सीसी कैडेट,स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस सहित अन्य उपस्थित थे।

दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की गुहार

संवाददाता

साहिबगंज:मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरजन्ना निवासी पीड़िता महिला बीबी सिटी खातून पति मो। तौसीफ ने घर में अकेली मौजूद नाबालिग पुत्री के साथ मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को लिखित आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़िता महिला ने जिक्र किया है कि बीते दिनों 10 जुलाई 26 को जब वो अपने दो नाबालिग पुत्रियों को घर पर अकेला छोड़कर बहियार से घास लाने के लिए गई हुई थी तो उसी समय गांव के ही 3 लोगों ने उसके घर में घुसकर उसकी दोनों नाबालिग बेटियों के साथ बुरी तरह से मारपीट किया।वही पीड़िता महिला ने बताया कि इस मारपीट मामले को लेकर मुफस्सिल थाना एवं महिला थाना में भी आरोपियों के खिलाफ लिखित आवेदन दिया गया है मगर अब तक कोई भी कार्यवाही पुलिस के द्वारा नहीं की गई है।जहां पीड़िता महिला ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है।

स्कूल में अतिरिक्त कक्ष और बाउंड्रीवाल निर्माण का किया शिलान्यास

बरकट्ठा : प्रखंड के ग्राम लेवड़ा जमुआ में मंगलवार को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में अतिरिक्त कमरा और बाउंड्रीवाल निर्माण का शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने किया। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि शिक्षा का स्तर सुधारना और बच्चों को एक सुरक्षित वातावरण देना उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्कूल मुख्य सड़क पीडब्लूडी रोड के बिल्कुल सटा हुआ है। जहां से हर समय तेज रफ्तार में वाहनों का आवागमन होता है। ऐसी स्थिति में यहां पढ़ने वाले छोटे–छोटे नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर हमेशा एक गंभीर खतरा और भय बना रहता था। बाउंड्री होने से बच्चे सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय के ठीक बगल में वन क्षेत्र होने के कारण जंगली हाथियों के आतंक का खतरा भी इस क्षेत्र में लगातार बना रहता है। इन तमाम विषम परिस्थितियों को देखते हुए विद्यालय में बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाना अत्यंत अनिवार्य था। यह निर्माण कार्य डीएमएफटी मद के माध्यम से होगा। इस मौके पर सीके पांडेय, सांसद प्रतिनिधि परमेश्वर प्रसाद साहू, बालेश्वर ठाकुर, सरयू यादव, द्वारिका पासवान समेत आदि लोग मौजूद थे।

स्कूल का रास्ता अवरुद्ध करने को लेकर छात्रों का प्रदर्शन, प्रशासन से की तत्काल हस्तक्षेप की मांग

संवाददाता

गढ़वा: जिस विद्यालय से सैकड़ों बच्चों का भविष्य सवंर रहा है, उसी विद्यालय के बच्चों को सड़क जाम करने पर मजबूर होना पड़ा है। रंका थाना क्षेत्र के चुतरू हाई स्कूल की जमीन पर कब्जा करने की नीयत से दूसरे पक्ष द्वारा हल जोतने और विद्यालय आने-जाने का रास्ता अवरुद्ध करने का मामला सामने आया है। इस घटना से आक्रोशित स्कूली छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि विद्यालय परिसर से सटी जमीन को खेत के रूप में जोत दिया गया है, जिससे स्कूल का रास्ता प्रभावित हो गया है। छात्रों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो विद्यालय का आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाएगा, जिससे पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

वहीं, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नईमुद्दीन अंसारी ने कहा कि कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्ती जमीन कब्जा किया जा रहा है। इससे स्कूल का रास्ता अवरुद्ध हो चुका है। अगर प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं करता है तो इस मामले को उपायुक्त के पास लेकर जाएंगे।

घटना की सूचना मिलते ही रंका के एसडीएम परवेज आलम, अंचल अधिकारी एवं रंका थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण कर दोनों पक्षों से जानकारी ली और भूमि से संबंधित अभिलेखों की जांच शुरू कर दी है।

एसडीएम परवेज आलम ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि विद्यालय की जमीन या सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जे की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कब्जा हटाने और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कौशल विकास भी रोजगार और आत्मनिर्भरता की कुंजी है : अंशु

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट :अंतरराष्ट्रीय युवा कौशल दिवस के अवसर पर एनएसपीएल कौशल प्रशिक्षण केंद्र, बरहेट में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बरहेट प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडेय उपस्थित हुए। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से संवाद किया तथा युवाओं को कौशल विकास के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान अपने संबोधन में बीडीओ ने कहा कि आज के समय में केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि कौशल विकास भी रोजगार और आत्मनिर्भरता की कुंजी है। उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्लेसमेंट एवं स्वरोजगार दोनों विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा अपने कौशल के बल पर सफल भविष्य बनाने का संदेश दिया।इस अवसर पर पूर्व में आयोजित तीन बैचों के आकलन में सफल अभ्यर्थियों को कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव एवं सेल्स एग्जीक्यूटिव ट्रेड के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रशिक्षुओं ने प्रसन्नता व्यक्त की।

पार्टी का विस्तार प्रखंड,पंचायत और बूथ स्तर तक किया जाएगा : अर्जुन

संवाददाता

साहिबगंज:शहर के कॉलेज रोड स्थित मछुआ सोसाइटी परिसर में बुधवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा जेएलकेएम के जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई।जहां इस बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अर्जुन महतो ने की।इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने,सदस्यता अभियान तेज करने और आगामी जिला सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा हुई। जहां जिलाध्यक्ष अर्जुन महतो ने केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के प्रति आभार जताते हुए कहा कि दोबारा मिली जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाया जाएगा।आगे उन्होंने कहा कि पार्टी का विस्तार प्रखंड,पंचायत और बूथ स्तर तक किया जाएगा और अधिक से अधिक युवाओं और आम लोगों को संगठन से जोड़ा जाएगा। वही उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव में पार्टी साहिबगंज जिले की दो से तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रही है।इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष भोला महतो,विपिन कुमार मंडल,रविंद्र प्रसाद साह प्रीतम कुमार पीयूष, प्रकाश कुमार महतो, जियाउल हक,मो।अब्दुल कय्यूम, जीतू दास,जिला सचिव सूदन रविदास समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद थे।

गुमला में सीएचसी की लापरवाही से छात्रा की मौत, परिजन बोले- न एंबुलेंस मिला न ऑक्सीजन

संवाददाता

गुमलाः जिले के चैनपुर प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और दावों की पोल खोलती एक बेहद संवेदनहीन और दर्दनाक तस्वीर चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सामने आई है। अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही, समय पर एम्बुलेंस और ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण 9वीं कक्षा की छात्रा शिवानी कुमारी की मौत हो गई। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है।

स्कूल जाने के दौरान अचानक बिगड़ी थी तबीयत

मिली जानकारी के अनुसार, चैनपुर प्रेमनगर निवासी राजकुमार लोहरा की बेटी शिवानी कुमारी उम्र लगभग 15 वर्ष सुबह रोजाना की तरह स्कूल जाने के लिए तैयार हो रही थी। स्कूल यूनिफॉर्म पहनने के दौरान अचानक उसके सिर में तेज दर्द शुरू हुआ। शिवानी दर्द से चिल्लाने लगी और उसे लगातार उल्टियां होने लगी। बेटी की हालत बिगड़ता देख लाचार माता-पिता और परिजन उसे आनन-फानन में तुरंत चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

एम्बुलेंस की नहीं मिली सुविधा: परिजन

छात्रा के पिता राजकुमार लोहरा ने बताया कि अस्पताल पहुंचने पर किसी भी डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी ने उनकी बेटी को नहीं देखा और सीधे सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया। जब शिवानी की स्थिति और नाजुक होने लगी तो परिजनों ने डॉक्टरों से गुमला या रांची ले जाने के लिए तत्काल सरकारी एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। लेकिन संवेदनहीनता की हद तब पार हो गई जब अस्पताल प्रबंधन ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि एम्बुलेंस खराब है, स्टार्ट नहीं हो रहा है।

पिकअप वैन में ले जाना पड़ा अस्पताल

बेबस परिजन करीब एक से दो घंटे तक अस्पताल परिसर में ही एम्बुलेंस के लिए तड़पते रहे, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। फिर मजबूर पिता ने खुद एक निजी पिकअप वैन का इंतजाम किया। हैरानी की बात यह रही कि मरीज की बेहद नाजुक स्थिति को जानते हुए भी चैनपुर अस्पताल प्रबंधन ने वैन में ऑक्सीजन तक की व्यवस्था नहीं कराई। परिजन शिवानी को पिकअप वैन में लेकर किसी तरह गुमला सदर अस्पताल पहुंचे। वहां भी डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। गुमला टाउन से निकलते ही रास्ते में शिवानी ने दम तोड़ दिया।

अस्पताल की लापरवाही से बच्ची की मौत हुई है: परिजन

वहीं, छात्रा की मां राजमुनी देवी का कहना है उनकी बेटी सुबह ठीक-ठाक थी। खाना खाकर स्कूल के लिए तैयार हो रही थी कि अचानक सिर दर्द हुआ और वह उल्टी करने लगी। अस्पताल ले जाने पर न डॉक्टर ने देखा, न एम्बुलेंस मिला और न ही ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई। सरकारी अस्पताल की लापरवाही ने मेरी बच्ची की जान ले ली। घटना के बाद चैनपुर के लोगों में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ गहरा रोष है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा लापरवाही बरतने वाले दोषी डॉक्टरों और कर्मियों के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई करने की मांग की है।

न्यूज IN ब्रीफ

रवि कुमार दास को नगर पुलिस ने चोरी के मामले में गिरफ्तार

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी रवि कुमार दास को नगर पुलिस ने चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया रसूलपुर दहला में संतोष कुमार के मिठाई दुकान में चोरी की घटना घटित हुई थी। जिसमें संतोष ने आवेदन में 10 हजार नगद व अन्य सामान की चोरी करने का मामला दर्ज करवाया था ।पुलिस मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान में जुट गई अनुसंधान के क्रम में रवि कुमार दास को गिरफ्तार किया है और पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया ।

करंट लगने से युवक हुआ बेहोश

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सकरोगढ़ जयप्रकाश कॉलोनी निवासी कुंदन कुमार को करंट लगने से अचेत हो गए। घटना के बाद स्वजनों ने उन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।

स्वजनों के अनुसार, घर में अर्थिंग का तार कमरे से सटा हुआ था। सफाई के दौरान गलती से उनका पैर तार से छू गया जिससे उन्हें तेज बिजली का झटका लगा और वे बेहोश होकर गिर पड़े।सदर अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ। कुमार अंकित ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि युवक की स्थिति अब खतरे से बाहर है। उन्हें बेहतर निगरानी और उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है।

नाबालिग के साथ प्रेम विवाह करने का मामला प्रकाश में आया है

साहिबगंज :बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट बाजार एक मुस्लिम युवक ने नाबालिग युवती के साथ शिवगदी पहुंचकर प्रेम विवाह करने का मामला प्रकाश में आया है जानकारी के अनुसार युवक बरहेट बाजार मोमिन टोला मानवर अंसारी पिता अब्दुल हकीम वषीर्या के रूप में पहचान की गई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों बुधवार को एक साथ शिवगादी पहुंची , जहां सीधे गर्भ गृह में प्रवेश कर मांग में सिंदूर लगा दी वही गर्भ गृह के अंदर पूजा कर रहे श्रद्धालुओं ने इसकी सूचना शिव गादी प्रबंध समिति को दी ,यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।इसके बाद कमेटी ने सीसीटीवी कैमरे के जांच पड़ताल कर दोनों की पूछताछ कर पुलिस को सूचना दे दी ।पुलिस शिवगादी पहुंचकर दोनों को साथ में थाना ले आई। वही दोनों के परिजन मामले को लेकर थाना पहुंच गई है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गंभीर रूप घायल

साहिबगंज :बरहेट थाना क्षेत्र के हिरणपुर गांव के 30 वर्षीय मंगल मुर्मू की मोटरसाइकिल दुर्घटना मे गंभीर रूप घायल हो गया। जिससे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। जानकरी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र के हिरणपुर गांव निवासी मंगल मुर्मू पिता दुबन मुर्मू हिरणपुर घर से बरहेट की ओर आ रहा था की संजोरी गांव के पास मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई है।वहीं घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया।जहां चिकित्सक डॉक्टर सलीम शेख ने इलाज किया।चिकित्सक ने बताया की घायल के सिर पर गंभीर चोट आई है।जिससे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

पश्चिमी प्राणपुर में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण का रास्ता साफ आपसी सहमति से भूमि विवाद का हुआ समाधान

साहिबगंज/उधवाः उधवा प्रखंड के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत में प्रस्तावित स्वास्थ्य उपकेंद्र के निर्माण को लेकर चल रहा भूमि विवाद आखिरकार प्रशासन की पहल से समाप्त हो गया। बुधवार को अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल की मौजूदगी में आयोजित बैठक में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर लिया, जिससे स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया। जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए चयनित भूमि को लेकर पिछले कुछ दिनों से स्थानीय स्तर पर मतभेद बना हुआ था। विवाद के कारण निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहा था, जिससे क्षेत्र के लोगों में भी चिंता बनी हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए अंचलाधिकारी स्वयं निर्माण स्थल पर पहुंचे और दोनों पक्षों के साथ जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में विस्तृत वार्ता की।बैठक के दौरान सभी पक्षों ने सकारात्मक पहल दिखाते हुए आपसी सहमति से समाधान स्वीकार किया। इसके बाद स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए भूमि को अंतिम रूप दे दिया गया।अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सहमति बन जाने से अब किसी प्रकार का विवाद शेष नहीं है। संबंधित विभाग को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाएगा, ताकि पंचायतवासियों को जल्द बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक में पूर्व मुखिया बादसु शेख, मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम, अब्दुल हन्नान, समाउन शेख, अजीजुल हक,अब्दुल मजीद शेख, शाहजहां शेख समेत पंचायत के कई जन प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

असंगठित और जॉब कार्डधारी मजदूरों का होगा निबंधन

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में 17 से सात अगस्त तक मनरेगा जॉब कार्डधारी मजदूर और असंगठित श्रमिकों का निबंधन कार्य किया जाएगा। प्रखंड के ग्राम पंचायत बरकंनगांगों, चुगलामो, गैड़ा और बेडोकला में आगामी 17 से 21 जुलाई तक शिविर लगाया जाएगा। इसमें मनरेगा योजना में कार्य कर रहे मजदूरों का निर्माण, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं प्रवासी मजदूरों का श्रमदान पोर्टल पर निबंधन होगा। मजदूरों का निबंधन सभी पंचायत भवन के प्रज्ञा केन्द्र संचालक ऑनलाईन निबंधन करेंगे। तुईयो, कपका, गंगपाचो, गयपहाड़ी में 22 से 27 जुलाई तक, सलैया, झुरझुरी, कोनहराखुर्द, बरकट्ठा दक्षिणी, बरकट्ठा उत्तरी पंचायत में 28 से एक अगस्त तक, चेचकप्पी, बेलकप्पी, शिलाडीह, गोरहर पंचायत में तीन से सात अगस्त तक शिविर नोडल पदाधिकारी एवं पंचायत सहायक की देखरेख में आयोजित किया जाएगा।

कोनार डीवीसी उवि में अभिभावक संवाद कार्यक्रम आयोजित

विष्णुगढ़ : कोनार डीवीसी उच्च विद्यालय में बुधवार को अभिभावक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, नियमित उपस्थिति, अनुशासन तथा परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों और विद्यालय के बीच समन्वय स्थापित करना था। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य भरत किशोर महतो, शिक्षक संजय दास, तौहिद अंसारी समेत छात्र-छात्राओं के अभिभावक उपस्थित थे।

दर्शकों पर जादू चलाने के लिए

काजल अग्रवाल 'द इंडिया स्टोरी' के साथ तैयार

अभिनेत्री काजल अग्रवाल दर्शकों पर जादू चलाने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कोर्टरूम फिल्म करना चाहती थीं। फिल्म में आखिरकार ऐसा करने का मौका मिल ही गया। फिल्म में अभिनेत्री ने एडवोकेट अर्चना का रोल निभाया है। वह एक ऐसी वकील हैं जो एक आम नागरिक का साथ देती हैं। यह नागरिक उन ताकतवर कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ न्याय चाहता है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने का आरोप है। कोर्टरूम ड्रामा और इन्वेस्टिगेटिव कहानी के जरिए, यह फिल्म फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू करना चाहती है। उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के दौरान बात की और बताया कि कैसे 'द इंडिया स्टोरी' ने कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा पूरी की। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ड्रामा लंबे समय से मेरी पसंद रहा है। मैं अच्छे, दमदार और चुनौतीपूर्ण कोर्टरूम ड्रामा की तलाश में थी। इस फिल्म के जरिए मेरी यह इच्छा पूरी हुई। लेकिन, एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि मुझमें काफी बदलाव आया है। मेरी परफॉर्मेंस में ग्रोथ और मैच्योरिटी भी आई है। मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं और कुछ पल ऐसे थे, जो बहुत असली लगे, जिनके लिए मुझे एक्टिंग करने या खुद को उस स्थिति में इमेजिन करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं असल में उस पल को जी रही थी। आंसू, भावनाएं और इमोशनल संघर्ष भी असली थे। उन्होंने कहा कि निराशा, सफलता, नुकसान और दुख, सबकुछ बहुत असली लगा। एक्टर के तौर पर, मुझे लगता है कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण है।

14 साल बाद अरशद ने बेची दुकान

एक्टर अरशद वारसी के सितारे इस वक्त बुलंदियों पर हैं। इस साल 2 फिल्में और एक सीरीज रिलीज हो चुकी हैं, जो बंपर कमा रही हैं और अब 'किंग' में भी नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने 3 गुना से भी ज्यादा मुनाफा कमाते हुए अपनी दुकान बेच दी है। यह उन्होंने 14 साल पहले खरीदी थी।

इस वक्त 'प्रीतम एंड पेड्रो' सीरीज और 'धमाल 4' में अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए तारीफें बटोर रहे अरशद वारसी ने अपनी सालों पुरानी दुकान बेच दी है, और करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया है। 'लियासेस फोर्स' मिले प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, अरशद वारसी ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में स्थित अपनी दुकान ?6.25 करोड़ में बेच दी है। अरशद वारसी ने यह दुकान साल 2012 में 2.12 करोड़ से ज्यादा में खरीदी थी। यानी एक्टर ने अपनी दुकान को तीन गुना से भी अधिक मुनाफे में बेचा है। अरशद वारसी की यह दुकान लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स की 'ग्रेनविले को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड' की ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। इसका कार्पेट एरिया 684 स्क्वायर फुट है।

14 साल पहले खरीदी थी कमर्शियल दुकान

अरशद वारसी ने जब 14 साल पहले यह कमर्शियल दुकान खरीदी थी, तो इसके लिए 30 हजार रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस और 10 लाख रुपये से अधिक की स्टांप ड्यूटी चुकाई थी। अरशद वारसी की बाकी प्रॉपर्टी की बात करें, तो उनका मुंबई के वर्सोवा में एक लग्जरी बंगला है, जिसकी कीमत करोड़ों में है। इसके अलावा उत्तरी गोवा में एक 150 साल पुराना पुर्तगाली विला भी है, जिसे उन्होंने रीस्टोर करवाया। इस विला का नाम कासा जेन है। इस विला को हॉलिडे स्टे के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें ठहरने का किराया 75 हजार रुपये प्रति रात है।

तृषा ने भावुक पोस्ट लिख कर दी एस. जानकी को श्रद्धांजलि

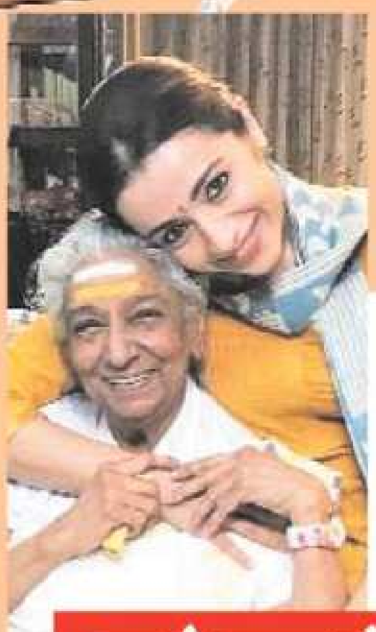

'महान कलाकार विनम्र इंसान होते हैं'

महान गायिका एस. जानकी का 11 जुलाई को निधन हो गया। वह 88 साल की थीं। उनके निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत साउथ के सेलेब्स ने श्रद्धांजलि दी है। इसी कड़ी में साउथ की बेहतरीन अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने भी उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं और एक खूबसूरत पोस्ट लिखी। अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने इंस्टाग्राम पर एस. जानकी के साथ जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि गायिका सोफे पर बैठी हैं। तृषा उनके पास नीचे बैठी हुई हैं। दूसरी तस्वीर में तृषा ने जानकी के गले में हाथ डाला है और प्यार से पोज दे रही हैं। तस्वीर में दोनों काफी खुश हैं।

तृषा ने जानकी के लिए लिखा प्यारा नोट

तस्वीरें शेयर करते हुए तृषा कृष्णन ने लिखा 'अपनी सबसे खास फिल्मों में से एक में आपका नाम शामिल करना हमेशा मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहेगा। आपको जानना और आपका प्यार पाना ऐसी चीज है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। आपके गले लगाने, आपकी दयालुता के लिए धन्यवाद। मुझे [illegible] धन्यवाद कि सबसे महान कलाकार ही सबसे विनम्र इंसान होते हैं। आपकी आवाज हमेशा जिंदा रहेगी। शांति से आराम करें जानकी अम्मा। आपकी बहुत याद आएगी।'

'मैंने उसे छोड़ दिया'

दीपिका पादुकोण के पहले बॉयफ्रेंड ने बताया ब्रेकअप का चौंकाने वाला सच

बॉलीवुड सुपरस्टार दीपिका पादुकोण का नाम आज इंडस्ट्री की सबसे बड़ी एक्ट्रेसेस में शामिल है, लेकिन फिल्मों में आने से पहले उनकी निजी जिंदगी भी कई बार चर्चा में रही। अब मॉडल और एक्टर मुज़म्मिल इब्राहिम ने एक इंटरव्यू में दीपिका के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर कई चौंकाने वाले दावे किए हैं। उनका कहना है कि रिश्ते की शुरुआत दीपिका ने की थी, जबकि इसे खत्म करने का फैसला उन्होंने लिया। साथ ही उन्होंने यह भी माना कि आज दीपिका जहां सुपरस्टार बन चुकी हैं, वहीं समय के साथ दोनों की जिंदगी पूरी तरह बदल चुकी है। उनके बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। बता दें कि मुजम्मिल को दीपिका पादुकोण का पहला बॉयफ्रेंड बताया जाता है।

क्या बोले मुज़म्मिल इब्राहिम, किसने किया था प्रपोज?

देसी पॉप कल्चर पर बात करते हुए मुज़म्मिल इब्राहिम ने दावा किया कि जब दोनों मॉडलिंग की दुनिया में थे, तब दीपिका पादुकोण ने सबसे पहले उन्हें डेट के लिए पूछा था। उनके मुताबिक, दोनों कुछ समय तक रिश्ते में रहे और उस दौर में वह इंडस्ट्री में दीपिका से ज्यादा स्थापित थे। मुज़म्मिल ने साफ कहा कि यह आपसी सहमति से हुआ ब्रेकअप नहीं था। उन्होंने कहा, 'यह आपसी सहमति से हुआ ब्रेकअप नहीं था। मैंने उसे छोड़ा था। मुझे इस फैसले का कोई पछतावा नहीं है।'

आज दीपिका के स्टारडम पर क्या बोले एक्टर?

मुज़म्मिल ने माना कि समय के साथ दोनों की जिंदगी पूरी तरह बदल गई। उन्होंने कहा, 'आज वह सुपरस्टार हैं और मुझे कोई नहीं जानता।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह आज भी दीपिका के प्रशंसक हैं और उन्हें बेहद खूबसूरत महिला मानते हैं। रिश्ते के खत्म होने के बावजूद मुज़म्मिल ने दीपिका की उपलब्धियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें दीपिका के करियर पर गर्व है और उन्होंने अपने दम पर जो मुकाम हासिल किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है।

क्यों वायरल हो रहा है मुज़म्मिल इब्राहिम का यह बयान?

दीपिका पादुकोण आमतौर पर अपनी निजी जिंदगी पर सार्वजनिक रूप से कम ही बात करती हैं। ऐसे में उनके कथित पूर्व रिश्ते को लेकर मुज़म्मिल इब्राहिम के दावे सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए हैं। हालांकि, इन दावों पर दीपिका पादुकोण की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कमाई में आया 60 फीसदी का उछाल; झमाझम बरसे नोट

तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर बजा Dhamaal 4 का डंका

'धमाल' फ्रैंचाइजी की चौथी फिल्म धमाल 4 आखिरकार 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म में अजय देवगन , रितेश देशमुख , अरशद वारसी , जावेद जाफरी और कई अन्य कलाकार नजर आए। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। एक तरफ जहां कई लोगों को इसका ह्यूमर पसंद आया वहीं कुछ अन्य ने इसे मजेदार फिल्म बताया। उनका मानना है कि इसकी कहानी और राइटिंग और बेहतर हो सकती थी। ठीक-ठाक ओपनिंग के बाद, फिल्म ने वीकेंड पर रफ्तार पकड़ी। दूसरे दिन इसकी कमाई में 60% की बढ़त देखी गई और तीसरा दिन भी अच्छा लग रहा है। आइए देखते हैं कि ओपनिंग वीकेंड के दौरान इसका प्रदर्शन कैसा रहा। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक धमाल 4 ने पहले दिन 14 करोड़ रुपये की बॉक्स ऑफिस ओपनिंग की। वहीं दूसरे दिन इसका कलेक्शन लगभग डबल रहा। दूसरे दिन फिल्म ने 22.50 करोड़ रुपये की ओपनिंग की। अब तीसरे दिन का रिपोर्ट कार्ड भी सामने आ गया है। तीसरे दिन फिल्म ने 26.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

अर्जेंटीना से हार के बाद बोले हैरी केन- यह मेरा आखिरी विश्व कप है या नहीं, कहना जल्दबाजी

एजेंसी

अटलांटा : इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में 2-1 की हार के बाद कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह उनका आखिरी विश्व कप था या नहीं। उन्होंने माना कि एक बार फिर टीम उसी तरह हार गई, जैसी पिछले बड़े टूर्नामेंटों में हारती रही है। इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम रक्षात्मक हो गई। अर्जेंटीना ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए 85वें मिनट में एंजो फर्नांडेज के जरिए बराबरी की और फिर इंजरी टाइम में लाउटारो मार्टिनेज ने लियोनेल मेसी के क्रॉस पर विजयी गोल दाग दिया। मैच के बाद केन ने कहा, ₹मुझे लगता है कि यह वही कहानी है, जो पिछले बड़े टूर्नामेंटों में भी देखने को

मिली। करीब 60 मिनट तक हमने मैच की गति पर शानदार नियंत्रण रखा। हमने गोल किया और बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने आगे कहा,₹लेकिन फिर किसी न किसी वजह से हम गेंद पर नियंत्रण बनाए नहीं रख सके। हम गेंद पर दबाव भी नहीं बना पाए, जिससे अर्जेंटीना को लगातार आक्रमण करने का मौका मिला और उसने हमारे पेनाल्टी क्षेत्र में दबाव बढ़ा दिया। केन ने माना कि बढ़त मिलने के बाद टीम का रवैया बदल गया। उन्होंने कहा,₹एक गोल की बढ़त बचाने की मानसिकता सामान्य होती है, लेकिन तब भी मुकाबले में करीब 20 मिनट बाकी थे। इतने समय में विपक्षी टीम गोल कर सकती है। हमें मैच का वीडियो देखकर समझना होगा कि ऐसी परिस्थितियों में हम क्या बेहतर कर सकते थे। पिछले चार बड़े टूर्नामेंटों में यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। अगला विश्व कप होने तक केन 36 वर्ष के हो जाएंगे। हालांकि उन्होंने अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा,₹अभी इस बारे में बात करना बहुत जल्दबाजी होगी। मैं हर साल के हिसाब से आगे बढ़ता हूं। राष्ट्रीय टीम मेरे लिए गर्व की बात है और इससे बढ़कर मुझे कुछ भी पसंद नहीं है।₹

केन ने आगे कहा,₹अगले विश्व कप में अभी चार साल बाकी हैं। इस गर्मी में मैं 33 साल का हो जाऊंगा, लेकिन लियोनेल मेसी को देखिए, वह अभी भी सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं। मैं अपने करियर की कोई सीमा तय नहीं करना चाहता। समय आने पर जो स्थिति होगी, उसी के हिसाब से फैसला करूंगा। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान इस हार से उबरने पर है।₹

डैन बर्न ने भी मानी टीम की गलती

इंग्लैंड के डिफेंडर डैन बर्न ने स्वीकार किया कि बढ़त मिलने के बाद टीम जरूरत से ज्यादा रक्षात्मक हो गई थी। उन्होंने कहा,₹हम बेहद निराश हैं। ज्यादातर समय तक हमने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह अमल किया, लेकिन गोल करने के बाद हम बहुत निष्क्रिय हो गए और पीछे हट गए। आखिरकार हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी।₹

बर्न ने आगे कहा,₹हमने अर्जेंटीना को जरूरत से ज्यादा मौके दिए और अगर आप इतनी मजबूत टीम को लगातार अवसर देंगे तो वह गोल जरूर करेगी। यह हमारे लिए बेहद निराशाजनक है। इससे पहले हमने ऐसे मुकाबलों में बेहतर बचाव किया है। जब आप विश्व कप फाइनल के इतने करीब पहुंचकर हारते हैं तो उसका दर्द बहुत ज्यादा होता है।अब इंग्लैंड की टीम शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस का सामना करेगी, जबकि अर्जेंटीना रविवार को स्पेन के खिलाफ विश्व कप फाइनल खेलेगा।

रथ यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी और शुभेंदु अधिकारी ने दी शुभकामनाएं, सुख-समृद्धि की कामना की

एजेंसी

कोलकाता : भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथ यात्रा के शुभ अवसर पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भगवान जगन्नाथ से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए रथ यात्रा को आस्था, एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। यह भारत की सदियों पुरानी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की एक शानदार अभिव्यक्ति है। रथ यात्रा से जुड़ी परंपराओं ने भारत और दुनिया भर में कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। ये परंपराएं विनम्रता, सामूहिक भागीदारी और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने महाप्रभु जगन्नाथ से सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि वे हमें हमारे सभी प्रयासों के लिए शक्ति प्रदान करें और हमारे समाज में एकजुटता की भावना को और मजबूत करें। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा को नमन करते हुए कहा कि प्रभु की कृपा से सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो। उन्होंने देश, समाज और समस्त मानवता के कल्याण की कामना करते हुए सभी को रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और ₹जय जगन्नाथ₹ का उद्घोष किया।

उधर, रथयात्रा के अवसर पर भाजपा नेता दिलीप घोष अपनी मां और पत्नी के साथ नदिया जिले के मायापुर स्थित इस्कॉन मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने मायापुर चंद्रोदय मंदिर में भगवान की आरती की, गोपूजन और गोसेवा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने हाथों से गायों को चारा खिलाया, उनके चरण धोए और यज्ञ में भी भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस्कॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की रथयात्रा में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई।

केंद्र के ऐतिहासिक निर्णयों से छत्तीसगढ़ को मिलेगा औद्योगिक और कृषि विकास का नया आधार : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री मोदी एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल का जताया आभार

एजेंसी

रायपुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सेमिकॉन 2.0, राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 तथा मोबाइल फोन विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि इन महत्वाकांक्षी योजनाओं से देश की औद्योगिक क्षमता, कृषि सुरक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नई गति मिलेगी, जिसका लाभ छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश को प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री साय ने बीती देर रात अपने सोशल अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मनिर्भरता, नवाचार और अत्याधुनिक विनिर्माण के नए युग की ओर तेजी से अग्रसर है। केंद्र सरकार के ये तीनों महत्वपूर्ण निर्णय देश की औद्योगिक क्षमता, कृषि सुरक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले सिद्ध होंगे। उन्होंने

इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ?1,27,500 करोड़ की सेमिकॉन 2.0 योजना देश में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए विश्वस्तरीय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नई औद्योगिक नीति, बेहतर अधोसंरचना, निवेश अनुकूल वातावरण और कौशल विकास के माध्यम से उच्च तकनीक आधारित उद्योगों के लिए तेजी से उभरता हुआ गंतव्य बन रहा है। इस प्रकार की राष्ट्रीय पहल से राज्य में भी निवेश और रोजगार की नई संभावनाएं विकसित होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 देश में उर्वरकों की उपलब्धता को सुदृढ़ करेगी तथा किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराने में सहायक होगी। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों को मिलेगा और कृषि उत्पादन को नई मजबूती प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र की आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र और राज्य सरकार निरंतर समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ?62,500 करोड़ की मोबाइल फोन विनिर्माण प्रोत्साहन योजना (टढटर) भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे भारतीय ब्रांडों, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा स्थानीय विनिर्माण को व्यापक प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी औद्योगिक निवेश, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी तथा उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लिए जा रहे ऐसे दूरदर्शी निर्णय विकसित भारत के साथ-साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को भी नई गति प्रदान करेंगे। नवाचार, निवेश, तकनीकी आत्मनिर्भरता, आधुनिक विनिर्माण और कृषि सशक्तिकरण पर आधारित यह विकास मॉडल आने वाले वर्षों में देश और प्रदेश दोनों की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज दिल्ली प्रवास पर, भारत टैक्स-2026 में निवेशकों से करेंगे संवाद

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गुरुवार को नई दिल्ली के प्रवास के पर रहेंगे। वे यहां भारत मंडपम में आयोजित भारत टैक्स-2026 में देश-विदेश के प्रमुख टेक्सटाइल निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और वैश्विक ब्रांडों से संवाद कर मध्य प्रदेश में निवेश के नए अवसरों को गति देंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री विभिन्न निवेश एवं उद्योग जगत से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होकर राज्य की उद्योग हितैषी नीतियों, आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना तथा टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक निवेश संभावनाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। वन-टू-वन बैठकों, राउंड टेबल चर्चा, एमओयू तथा निवेशक संवाद के माध्यम से टेक्सटाइल, गारमेंट एवं फुटवियर क्षेत्र में नए निवेश आकर्षित करने की दिशा मे विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत मंडपम में भारत टेक्स-2026 का अवलोकन करेंगे तथा मध्य प्रदेश पवेलियन का निरीक्षण भी करेंगे। पवेलियन में राज्य की उद्योग हितैषी नीतियों, आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना, कौशल विकास, धार जिले में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क तथा टेक्सटाइल क्षेत्र की संपूर्ण औद्योगिक वैल्यू चेन को वैश्विक उद्योग जगत के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मीडिया से भी संवाद करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत टैक्स-2026 में टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ आयोजित राउंड टेबल चर्चा में भाग लेंगे। इस चर्चा में मध्य प्रदेश के टेक्सटाइल एवं गारमेंट इकोसिस्टम, निवेश की संभावनाओं, निर्यात संवर्धन, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, सतत विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स तथा कौशल विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह भी राउंड टेबल को संबोधित करेंगे। बैठक में 100 से अधिक उद्योगपतियों, निवेशकों एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में डिक्सन टेक्नोलॉजीस के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अतुल लाल, टोपन के सीईओ मनोहरा कुमार, हेलियॉन के सीईओ केदार लेले और भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैजिन्स्की दा नोब्रेगा भी शामिल होंगे।

छग में तेज रफ्तार स्कूटी सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर में घुसी, 4 की मौत

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के दुर्ग-रायपुर नेशनल हाइवे-53 पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार स्कूटी सवार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर के पीछे जा घुसा। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चियां शामिल हैं, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। उसे एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। कुम्हारी थाना पुलिस ने बताया है कि यह दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 10:00 से 10:30 बजे के बीच हाइवे-53 पर दुर्ग से रायपुर जाने वाले के लेन में हुई। स्कूटी (सीजी 07 डीई 5847) पर बच्चों समेत 5 लोग सवार थे। पुलिस ने ट्रैक्टर नंबर(सीजी 07 एनए0930) और स्कूटी को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक भिलाई-3 निवासी अमृता निर्मलकर (28वर्ष) स्कूटी चला रही थीं। उनके साथ सवार कुल पांच लोग बसंत विहार, रायपुर स्थित अपने मामा के घर जा रहे थे। इसी दौरान ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे खड़े ट्रैक्टर के पीछे स्कूटी जा घुसी। हादसे में अमृता निर्मलकर (28वर्ष), लक्ष्मी निर्मलकर (26 वर्ष), 7 वर्षीय यासना और 4 वर्षीय डाली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 8 वर्षीय भावेश गंभीर रूप से घायल है, जिसे एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और चालक भोला यादव को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है

कड़ी सुरक्षा के बीच 5,000 से ज्यादा अमरनाथ श्रद्धालुओं का 15वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू : कड़ी सुरक्षा के बीच 5,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं का पंद्रहवां जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर में सालाना अमरनाथ यात्रा के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ। अब तक 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में 3.25 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पूजा-अर्चना कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रियों के इस नए जत्थे (5,201 लोग) में 92 साधु, नौ साध्वियां, 3,970 पुरुष, 1,124 महिलाएं, 5 बच्चे और एक ट्रांसजेंडर शामिल थे। वे सीआरपीएफ और पुलिस की सुरक्षा में 251 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुए। यह काफिला दो अलग-अलग समूहों में रवाना हुआ। बालटाल जाने वाले काफिले में 74 गाड़ियों में 1,745 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 3 बजे रवाना हुआ। पहलगाम जाने वाले काफिले में 177 गाड़ियों में 3,456 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 3:30 बजे रवाना हुआ। गुरुवार को रवाना हुए जत्थे के साथ 2 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 1,04,488 तीर्थयात्री जम्मू बेस कैंप से कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं। यात्रा के लिए निकलते समय श्रद्धालुओं के 'बम बम भोले', 'हर हर महादेव और 'जय बफार्नी बाबा की' के जयकारों से भगवती नगर बेस कैंप गूंज उठा।

जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व: मनीष कुमार वर्मा

एजेंसी

प्रयागराज, 16 जुलाई (हि.स.)। जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। भूजल का स्तर बनाए रखने के लिए वर्षा जल संचयन और जल का विवेकपूर्ण उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उक्त बातें गुरुवार को भूजल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, प्रचार वाहन एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं भूजल जनजागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना करने के बाद प्रयागराज के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि भूजल सप्ताह के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाकर इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। यदि हम आज जल संरक्षण के प्रति सजग होंगे, तभी आने वाली

पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल संसाधन सुनिश्चित कर सकेंगे।₹ भूजल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में गुरुवार को भूजल सप्ताह-2026 का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रचार वाहन आगामी दिनों में जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं विकास खंडों में भ्रमण कर भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा जल के प्रबंधित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध में लोगों को जागरूक करेगा। वहीं छात्र-छात्राओं की रैली के माध्यम से भी जल बचाने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। रैली में जनपदीय अधिकारियों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली का समापन विकास भवन परिसर में हुआ। इस अवसर पर भूजल रिचार्ज एवं वर्षा जल संचयन के लिए जनसहभागिता को बढ़ावा देने के लिए हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के अधिकारियों के साथ जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण की आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (हि.स.)। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने के संकेत के कारण अमेरिकी बाजार में कल इन्वेस्टर सेंटीमेंट पॉजिटिव बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 150.91 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,659.18 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,572.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 159.74 अंक यानी 0.61 प्रतिशत उछल कर 26,266.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर आज फिलहाल 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,697.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,515.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 147.50 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,999.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स पूरे सत्र में दबाव में कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,382.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ।एशिया में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स आज फिलहाल 1,556.51 अंक यानी 2.26 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 67,195 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत टूट कर 3,923.20 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज बिकवाली का चौतरफा दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से यह सूचकांक फिलहाल 418.27 अंक यानी 5.74 प्रतिशत लुढ़क कर 6,866.14 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत फिसल कर 5,530.48 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,145 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,637.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 473.90 अंक यानी 1.88 प्रतिशत उछल कर 25,155 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,070.92 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की उछाल के साथ 45,679.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

रायपुर : मोबाइल हैक कर 3.94 लाख की साइबर ठगी करने वाले दो अंतरराज्यीय आरोपित गिरफ्तार

रायपुर : मोबाइल पर फर्जी मैसेज भेजकर फोन हैक करने और बैंक खातों से 3.94 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले दो अंतरराज्यीय साइबर ठगों को रायपुर पुलिस ने झारखंड के बोकारो से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित झारखंड के रहने वाले हैं। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन, एक चेकबुक और दो हजार रुपये नकद जब्त किए गए हैं। मामले में थाना डीडी नगर में धारा 318(4) बीएनएस एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज है। गुरुवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कंचनगंगा फेस-2, डीडी नगर निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु दत्त बघेल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि, 8 नवंबर 2025 को उनके मोबाइल पर कई मैसेज आए। मैसेज खोलने के बाद उनके यूको बैंक और एक्सिस बैंक खातों से लगातार ऑनलाइन ट्रांजेक्शन होने लगे। 8 से 10 नवंबर 2025 के बीच अलग-अलग किश्तों में कुल 3 लाख 94 हजार रुपये निकाल लिए गए। जांच में सामने आया कि साइबर ठगों ने फर्जी मैसेज के जरिए मोबाइल हैक कर वारदात को अंजाम दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना डीडी नगर की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण, बैंकिंग ट्रांजेक्शन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच के आधार पर आरोपियों की लोकेशन झारखंड के बोकारो जिले में मिली। पुलिस टीम ने बोकारो पहुंचकर लगातार निगरानी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विशाल कुमार सिंह (26) निवासी कटका, थाना बालीडीह और महेश प्रसाद सिंह (34) निवासी बांधडीह, थाना जरीडीह, जिला बोकारो को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों आरोपितों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी मैसेज भेजकर मोबाइल हैक करने और बैंक खातों से अनधिकृत ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए साइबर ठगी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, एक चेकबुक और दो हजार रुपये नकद जब्त किए हैं। जब्त मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है, ताकि गिरोह के नेटवर्क और देशभर में की गई अन्य साइबर ठगी की घटनाओं का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि, मामले से जुड़े अन्य फरार आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। साथ ही आरोपितों के बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया आईडी का तकनीकी विश्लेषण कर पूरे साइबर गिरोह के नेटवर्क की जांच की जा रही है।

एक घंटे की मूसलाधार बारिश से जलमग्न हुआ सिलीगुड़ी, एनएच-10 पर भूस्खलन से सिक्किम संपर्क प्रभावित

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल में गुरुवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से सिलीगुड़ी के कई इलाके जलमग्न हो गए, जबकि दार्जिलिंग, कर्सियांग और कालिम्पोंग के पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारी वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण सिक्किम को जोड़ने वाले 10 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-10) पर भूस्खलन होने से यातायात प्रभावित हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार के लिए बारिश का पूर्वानुमान तो था, लेकिन भारी वर्षा की चेतावनी जारी नहीं की गई थी। इसके बावजूद सुबह अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। लगभग एक घंटे में सिलीगुड़ी में करीब 50 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जिससे हैदरपारा, चंपासारी तथा महानंदा नदी के दोनों किनारों से लगे वार्ड संख्या एक, चार और पांच में जलभराव हो गया। हालांकि दोपहर तक अधिकांश क्षेत्रों से पानी निकलने के बाद स्थिति काफी सामान्य हो गई। पर्वतीय क्षेत्रों में भी बारिश का असर व्यापक रहा। कर्सियांग में 110 मिलीमीटर और कालिम्पोंग में 57 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के बाद पागलाझोरा क्षेत्र का जलप्रवाह अचानक तेज हो गया। एहतियात के तौर पर 110 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित कर दी गई। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों से शांत रहे पागलाझोरा का जलस्तर अचानक बढ़ने से लोगों में चिंता का माहौल है। इस बीच सिक्किम के बरदांग क्षेत्र में एनएच-10 पर भूस्खलन होने से सड़क पर यातायात बाधित हो गया। प्रशासन की ओर से मलबा हटाने का काम जारी है। इससे पहले तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण इस मार्ग को अस्थायी रूप से बंद किया गया था। जलस्तर कम होने पर सड़क खोली गई, लेकिन बाद में सेवक स्थित कोरोनेशन पुल के पास फिर भूस्खलन होने से मार्ग दोबारा बंद करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि पिछले रविवार रात हुई भारी बारिश के बाद भी पहाड़ी क्षेत्रों में कई सड़कें जलमग्न हो गई थी, जिससे वैकल्पिक मार्गों पर लंबा जाम लग गया था। तीस्ता बाजार से दार्जिलिंग जाने वाली पेशक रोड पानी में डूब गई थी। गैलखोला क्षेत्र में तेज जलधारा से राष्ट्रीय राजमार्ग को नुकसान पहुंचा था, जबकि कालिम्पोंग में रॉकविल स्कूल के पास भूस्खलन से दो मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। उस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई थी।

औरैया : यमुना में कूदे डॉक्टर सौरभ वाजपेयी का शव 15 घंटे बाद मिला, अस्पताल संचालक गिरफ्तार

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में यमुना नदी में छलांग लगाने वाले डॉक्टर सौरभ वाजपेयी का शव करीब 15 घंटे बाद गुरुवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अभियान के दौरान बरामद कर लिया। घटना से पहले डॉक्टर ने इंस्टाग्राम पर दो वीडियो पोस्ट कर एक निजी अस्पताल संचालक के बहनोई पर थप्पड़ मारने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अस्पताल संचालक एसपी सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। लखीमपुर खीरी निवासी नंदकिशोर वाजपेयी के पुत्र डॉ. सौरभ वाजपेयी (बीएमएस) पिछले दो वर्षों से औरैया स्थित राम औतार मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रैक्टिस कर रहे थे। बुधवार शाम करीब पांच बजे वह यमुना पुल पहुंचे, जहां उन्होंने इंस्टाग्राम पर दो वीडियो अपलोड किए और इसके बाद नदी में छलांग लगा दी।
पहले वीडियो में डॉक्टर ने अस्पताल संचालक के जीजा पर थप्पड़ मारने का आरोप लगाया। दूसरे वीडियो में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि कमरा शिफ्ट करने के दौरान उनके साथ मारपीट की गई। हालांकि वीडियो में उन्होंने अस्पताल संचालक एसपी सिंह को अपना बड़ा भाई भी बताया था। नदी में डॉक्टर के कूदने की जानकारी पर पुलिस ने बुधवार देर शाम तक सर्च अभियान चलाया लेकिन सफलता न मिलने पर गुरुवार सुबह एसडीआरएफ ने दोबारा तलाश शुरू की। कुछ देर बाद टीम ने डॉक्टर का शव नदी से बरामद कर लिया। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा, एसडीएम गरिमा सोनकिया, क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र सिंह समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। घटना की सूचना मिलते ही डॉक्टर के पिता नंदकिशोर वाजपेयी, मां शिखा वाजपेयी और पत्नी रूबी वाजपेयी भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर अस्पताल संचालक एसपी सिंह और उनके रिश्तेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अस्पताल संचालक एसपी सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शहीद भगत सिंह कॉलेज राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शहीद भगत सिंह कॉलेज 60 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और ह्यराष्ट्र प्रथमह्न के संस्कारों के साथ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बात उन्होंने गुरुवार को शहीद भगत सिंह कॉलेज के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह भी मौजूद रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

बिजली चोरी के आरोप में छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज, लगा जुर्माना

मेदिनीनगर : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में व्यापक छापेमारी की गई। अभियान के दौरान बिजली चोरी के आरोप में छह लोगों के विरुद्ध भारतीय विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई। सहायक विद्युत अभियंता राम प्रसाद महतो के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जांच अभियान चलाया। दल में कनीय विद्युत अभियंता सुधीर बांडो के अलावा संतोष कुमार सिंह, राजकुमार यादव, बबन कुमार एवं अशोक मेहता शामिल थे। जांच के दौरान इमामबाड़ा निवासी पिंटू कुमार चौरसिया, मकबरा रोड निवासी बिट्टू कुमार गुप्ता, निमहत निवासी दिनेश पासवान, निमहत निवासी दीपु यादव, पथरा निवासी विकास कुमार तथा इमामबाड़ा निवासी दानिश अली को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पकड़ा गया।इसके बाद सभी आरोपितों के विरुद्ध हुसैनाबाद थाना में भारतीय विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही इन सभी पर कुल 1 लाख 30 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है, बिजली विभाग के अनुसार बिजली चोरी के विरुद्ध निगम का विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। बिजली विभाग कनीय विद्युत अभियंता सुधीर बांडो ने उपभोक्ताओं से वैध विद्युत कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करने की अपील करते हुए बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की बात कही है।

लठेया ओपी प्रभारी धर्मबीर यादव निलंबित

पलामू : पुलिस महकमे में उस समय हड़कंप मच गया जब एसपी ने लठेया ओपी प्रभारी धर्मबीर यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. ओपी प्रभारी पर एक ट्रैक्टर मालिक से 70 हजार रुपये के अवैध लेन-देन का गंभीर आरोप है. इस कार्रवाई के संबंध में पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि विभागीय जांच अभी जारी है. उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पुलिस जैसे महत्वपूर्ण विभाग में इस तरह की अवैध गतिविधियां कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई भी पदाधिकारी इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उसे तत्काल प्रभाव से हटाकर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी.

क्या है पूरा मामला

मिली जनकारी अनुसार, एसपी रढ को शिकायत मिली थी कि लठेया ओपी क्षेत्र में एक ट्रैक्टर मालिक से ओपी प्रभारी व उनके ड्राइवर ने 70 हजार रुपये की अवैध वसूली की है. मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने तत्काल इसकी जांच कराई. जांच के दौरान ओपी प्रभारी की संलिप्तता प्रथम द्दष्टया सही पाई गई. जिसके बाद उन पर निलंबन की गाज गिर गई.

लोक व्यवस्था जागरण अभियान ज्ञान केंद्र का प्रांतीय अधिवेशन 25-26 जुलाई को अयोध्या धाम में

मेदिनीनगर : लोक व्यवस्था जागरण अभियान की अधिवेशन दो दिवसीय 25झ26 जुलाई को अयोध्या में आयोजित की गई है.

अधिवेशन के प्रमुख उद्देश्य लोकव्यवस्था पारवर्तन के तीनों आयामों पर कार्यरत कार्यकताओं का वैचारिक एवं संगठनात्मक समन्वय करना है. यह जानकारी देते हुए संस्था प्रमुख और सम्मेलन के प्रमुख आयोजकरता ज्ञानेंद्र आर्य ने कहा. उन्होंने कहा कि ज्ञान केंद्रों को संवाद, समन्वय एवं परिवर्तन के तीर्थ के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना है. उन्होंने कहा कि समाज कल्याण प्रशिक्षण से क्षमता निर्माण करना नेतृत्व में परिवर्तन और समुद्धि लोक व्यवस्था जागरण अभियान को आत्मज्ञान प्रदान किया जाएगा. ज्ञानेंद्र ने कहा कि समाज में वैचारिक जागरण, रचनात्मक संवाद और जनसहभागिता को बढ़ावा देना जरूरी है.पूर्वी एवं मध्य उत्तर प्रदेश में ज्ञान केंद्र विस्तार अभियान की समीक्षा एवं भावी रणनीति निर्माण किया जा रहा है. जिला, तहसील एवं स्थानीय स्तर पर संस्थागत संरचना को सुद्दढ़ करना जरूरी है. कार्यकताओं का वैचारिक, संगठनात्मक एवं क्रियात्मक प्रशिक्षण समाज जीवन की विविध चुनौतियों पर संवाद करना चाहिए. समाधान-केंद्रित पहल को प्रोत्साहित करना है. राष्ट्रव्यापी ज्ञान केंद्र नेटवर्क के निर्माण हेतु अनुभव, संसाधन और कार्यपद्धति का आदान-प्रदान किया जाएगा. 25 जुलाई 26 को आगामी वर्षों के लिए लोकव्यवस्था जागरण अभियान की कार्ययोजना निर्धारित किया जाएगा. अधिवेशन में हर तहसील में ज्ञान केंद्र लक्ष्य की दिशा में ठोस कार्यनीति एवं उत्तरदायित्व निर्धारण किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पहले दिन उद्घाटन सत्र में माल्यार्पण ध्वजारोहण स्वागत एवं परिचय होगा और अधिवेशन की भूमिका पर चर्चा किया जाएगा. ज्ञानेंद्र आर्य ने कहा कि वैचारिक गोष्ठी में व्यवस्था परिवर्तन क्यों, वर्तमान व्यवस्था की चुनौतिया, व्यवस्था परिवर्तन की आवश्यकता, ज्ञान केंद्र की भूमिका संवाद, समन्वय एवं परिवर्तन का मॉडल प्रश्नोत्तर एवं समूह चर्चा किया जाएगा. 26 जुलाई को कार्ययोजना सत्र में संस्थागत ढांचे पर चर्चा किया जाएगा. कार्य योजना को धरातल पर उतरने के लिए आवश्यक कार्यक्रम प्रत्यक्ष उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से समाधान पर चर्चा होगी. संस्था के अन्य सहयोगी कार्यक्रमों में परिचय समूह चर्चा एवं कार्ययनिर्माण समीक्षा के बाद समापन होगी.

गढ़वा के बुल्का गांव में दलित-वनाश्रित परिवारों की बेदखली पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने गढ़वा जिले के बुल्का गांव में दलित एवं वनाश्रित परिवारों के कथित बेदखली और आवास ध्वस्तीकरण के मामले को गंभीर बताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

रांची में पीड़ित परिवारों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद नायक ने कहा कि यदि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत लंबित दावों का निस्तारण किए बिना कार्रवाई की गई है, तो यह कानून और सामाजिक न्याय की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों को पहले वन अधिकार पट्टा मिलना चाहिए, उसके बाद ही किसी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, बेघर हुए परिवारों के पुनर्वास तथा सभी पात्र वनाश्रित परिवारों को शीघ्र वन अधिकार पट्टा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय नहीं मिलने पर कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी।

डीसी के निर्देश पर हरकत में आया प्रशासन, अनाथ बच्चों के घर पहुंची टीम

हर सरकारी सहायता का मिला भरोसा

जीतेन्द्र कुमार सिंह

मेदिनीनगर : पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के निर्देश पर मंगलवार को हुसैनाबाद प्रखंड की लोटनियां पंचायत अंतर्गत बरडीहा गांव में रहने वाले चार अनाथ बच्चों के घर प्रशासनिक टीम पहुंची। अधिकारियों ने बच्चों की स्थिति का जायजा लेते हुए उन्हें सरकार की सभी पात्र कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का भरोसा दिया।

हुसैनाबाद अंचल अधिकारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पहुंची टीम में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.के. रवि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल थे। इस दौरान डॉ. रवि ने चारों बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जबकि अधिकारियों ने उनकी शिक्षा, पोषण, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली।

अंचल अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि चांदनी कुमारी (17), नंदिनी कुमारी (15), शिवानी कुमारी (7) और शिवम कुमार (5) को सरकार की सभी पात्र योजनाओं से जोड़ा जाएगा। स्पॉन्सरशिप योजना के तहत पात्र बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा बैंक खाता खुलवाने,

शिक्षा की समुचित व्यवस्था करने, साइकिल, पुस्तकें, कॉपी सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बच्चों को नियमित राशन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को सौंपी गई है। वहीं शौचालय निर्माण, गैस चूल्हा उपलब्ध कराने तथा अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को बच्चों की नियमित निगरानी कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है।

गौरतलब है कि बरडीहा गांव के इन चार अनाथ बच्चों की दयनीय स्थिति समाजसेवी सतीश शर्मा द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उठाए जाने के बाद मामला प्रशासन के संज्ञान में आया था। उपायुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल अधिकारियों की टीम को गांव भेजने का निर्देश दिया। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि चारों बच्चों की देखभाल पूरी संवेदनशीलता के साथ की जाएगी और उन्हें किसी भी सरकारी सुविधा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।इस अवसर पर लोटनियां पंचायत के मुखिया विनोद सिंह उर्फ लाल बाबू, समाजसेवी सतीश शर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कराईकेला बाजार से बाउरी साई चौक तक 800 मीटर सड़क बदहाल, ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश

समाजसेवी अवनि कुमार महतो ने किया निरीक्षण

संवाददाता

बंदगांव : कराईकेला पंचायत के कराईकेला बाजार परिसर से बाउरी साई चौक तक लगभग 800 मीटर सड़क की जर्जर स्थिति से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और जलभराव के कारण राहगीरों, वाहन चालकों, छात्रों एवं दुकानदारों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलने पर समाजसेवी अवनि कुमार महतो ने मौके पर पहुंचकर सड़क का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से समस्याओं की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में इस सड़क पर चलना बेहद कठिन हो गया है। इसी मार्ग पर कराईकेला गुदड़ी बाजार एवं साप्ताहिक हाट लगता है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। साथ ही यह सड़क हुडंगदा, भालूपानी और कराईकेला पंचायत के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिससे रोजाना दर्जनों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है। इस संबंध में सांसद,

विधायक, बीडीओ, सीओ सहित संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया और जांच भी हुई, लेकिन अब तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका।

इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं विद्यालय आने-जाने के लिए गुजरते हैं। खराब सड़क और जलभराव के कारण उन्हें भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, सड़क किनारे के दुकानदारों ने कहा कि गड्ढों और जलभराव के कारण ग्राहक बाजार आने से बच रहे हैं, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण नहीं कराया गया तो ग्रामीण आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

निरीक्षण के बाद समाजसेवी अवनि कुमार महतो ने कहा कि सड़क की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उपायुक्त (डीसी) को अवगत कराया जाएगा, ताकि सड़क निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि यह वर्षों पुरानी मांग है और अब इसे और अधिक लंबित रखना उचित नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा रहा पूरा शहर

जमशेदपुर : रथ यात्रा के अवसर पर शुक्रवार को शहरभर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। कदमा रानीकुदर रोड नंबर-3 से इस्कॉन की ओर से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा शुरू होने से पहले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद तीनों विग्रहों को सुसज्जित रथ पर विराजमान कराया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन और भक्तिमय नृत्य से पूरा मार्ग भक्तिरस में डूब गया। जगह-जगह महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। आयोजकों ने बताया कि बच्चों ने 14 दिनों की मेहनत से रथ तैयार किया है और अब हर वर्ष इसी तरह भव्य रथयात्रा आयोजित करने का संकल्प लिया गया है।

लठेया ओपी प्रभारी धर्मबीर यादव निलंबित

पलामू : पुलिस महकमे में उस समय हड़कंप मच गया जब एसपी ने लठेया ओपी प्रभारी धर्मबीर यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। ओपी प्रभारी पर एक ट्रैक्टर मालिक से 70 हजार रुपये के अवैध लेन-देन का गंभीर आरोप है। इस कार्रवाई के संबंध में पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि विभागीय जांच अभी जारी है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पुलिस जैसे महत्वपूर्ण विभाग में इस तरह की अवैध गतिविधियां कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई भी पदाधिकारी इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उसे तत्काल प्रभाव से हटाकर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

व्यावसायिक उपयोग से कमर्शियल कोर्ट को नहीं मिलता अधिकार किरायेदारी विवाद रेंट कंट्रोलर ही सुनेंगे : झारखंड हाईकोर्ट

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी विशेष किराया नियंत्रण कानून के तहत किरायेदार को बेदखल करने का अधिकार रेंट कंट्रोलर को दिया गया है, तो ऐसे मामलों की सुनवाई कमर्शियल कोर्ट नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि केवल इस आधार पर कि लीज पर ली गई संपत्ति का उपयोग पूरी तरह व्यावसायिक गतिविधियों के लिए हो रहा है, कमर्शियल कोर्ट को उस विवाद पर अधिकार क्षेत्र (ज्यूरिस्डिक्शन) प्राप्त नहीं हो जाता।

यह महत्वपूर्ण फैसला झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज करते हुए सुनाया।

क्या है मामला

मामले की शुरूआत वर्ष 2023 में हुई, जब देवानंद सिंह एंड सन (मकान मालिक) ने धनबाद के रेंट कंट्रोलर-सह-सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (रउद्द) के समक्ष आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड के खिलाफ बेदखली की कार्यवाही शुरू की।

कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया कि विवादित संपत्ति का उपयोग पूरी तरह व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है और विवादित राशि 43 लाख रुपये से अधिक है। इसलिए कॉमर्शियल कोर्ट्स एक्ट के तहत इस मामले की सुनवाई केवल कमर्शियल कोर्ट में होनी चाहिए। कंपनी ने यह भी कहा कि वर्तमान में संपत्ति का कब्जा उसके पास नहीं, बल्कि उसकी पूर्व फ्रेंचाइजी के पास है। ऐसे में रेंट कंट्रोलर को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

हाईकोर्ट ने झारखंड भवन (पट्टा, किराया एवं बेदखली) नियंत्रण अधिनियम, 2011 का हवाला देते हुए कहा कि भले ही इस अधिनियम में सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर स्पष्ट रोक का उल्लेख न हो, लेकिन कानून की पूरी संरचना से यह स्पष्ट है कि ऐसे मामलों का निर्णय रेंट कंट्रोलर द्वारा ही किया जाना है।

अदालत ने कहा कि कॉमर्शियल कोर्ट्स एक्ट के तहत जिन मामलों में सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र नहीं है, वहां कमर्शियल कोर्ट भी हस्तक्षेप नहीं कर सकती। इसलिए इस मामले में बेदखली संबंधी विवाद का निर्णय लेने का अधिकार केवल रेंट कंट्रोलर के पास है।

कब्जे का विवाद सबूतों के आधार पर होगा तय

कंपनी द्वारा उठाए गए कब्जे के विवाद पर हाईकोर्ट ने कहा कि यह तथ्यात्मक प्रश्न है, जिसका निर्णय गवाही और साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। इस मुद्दे पर फैसला करने का अधिकार भी रेंट कंट्रोलर के पास ही है।

जल्द सुनवाई का निर्देश

मामले का निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट ने रिट याचिका खारिज कर दी और धनबाद के रेंट कंट्रोलर को निर्देश दिया कि बेदखली मामले की सुनवाई बिना किसी अनावश्यक देरी के जल्द से जल्द पूरी की जाए। यह फैसला किरायेदारी और व्यावसायिक संपत्तियों से जुड़े विवादों में अधिकार क्षेत्र को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पलामू की वीरांगना सुश्री राजेश्वरी सरोज दास देवी

स्वतंत्रता संग्राम की अग्रदूत और लोकतंत्र की सशक्त शिल्पी

हृदयनंद मिश्र

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास जितना विराट है, उतना ही अधूरा भी। यह अधूरापन इसलिए है कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अनेक क्षेत्रीय नायक-नायिकाओं को राष्ट्रीय इतिहास में वह सम्मान नहीं मिल पाया जिसके वे वास्तविक अधिकारी थे। झारखंड के पलामू की महान स्वतंत्रता सेनानी सुश्री राजेश्वरी सरोज दास देवी ऐसी ही एक विलक्षण विभूति थीं। उनका जीवन केवल ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों, महिला नेतृत्व और जनसेवा की एक प्रेरणादायी गाथा भी है। उनका व्यक्तित्व पलामू के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है।

सुश्री राजेश्वरी सरोज दास देवी का मूल निवास तत्कालीन मिजार्पुर (वर्तमान सोनभद्र, उत्तर प्रदेश) में था। वे प्रारंभ से ही राष्ट्रीय आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता थीं। उनके ओजस्वी व्यक्तित्व, अद्वितीय संगठन क्षमता और राष्ट्रभक्ति से प्रभावित होकर तत्कालीन पलामू के जन-जन के लोकप्रिय नेता, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी एवं कांग्रेस के अग्रणी व्यक्तित्व गौरी शंकर ओझा उन्हें विशेष आग्रहपूर्वक पलामू लेकर आए। यह निर्णय केवल एक राजनीतिक पहल नहीं थी, बल्कि पलामू में स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम था।

पलामू की धरती पर कदम रखते ही उन्होंने महिलाओं, किसानों, युवाओं और वंचित समाज को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ने का अभियान प्रारंभ किया। विशेष रूप से 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्होंने महिलाओं को घर की चौखट से निकालकर राष्ट्रीय संघर्ष की अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया। उनके ओजस्वी भाषणों और जनसंपर्क अभियानों ने पलामू में राष्ट्रीय चेतना की ऐसी अलख जगाई कि अंग्रेजी शासन की नींव तक हिल गई।

उनकी बढ़ती लोकप्रियता और संघर्षशील नेतृत्व से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर मिजार्पुर कारागार भेज दिया। जेल की यातनाएँ उनके अडिग संकल्प को डिगा नहीं सकीं। रिहा होने के बाद वे पुनः उसी उत्साह और समर्पण के साथ स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़ीं। उनके लिए राष्ट्रसेवा कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च धर्म था।

देश की आजादी के बाद भी उन्होंने सार्वजनिक जीवन को जनसेवा का माध्यम बनाया। वे विधायक निर्वाचित हुईं, बाद में बिहार विधान परिषद की सदस्य बनीं तथा अपनी संसदीय गरिमा, लोकतांत्रिक समझ और प्रशासनिक दक्षता के कारण बिहार विधान परिषद की उपसभापति (उपाध्यक्ष) के पद को सुशोभित किया। इतना ही नहीं, उन्हें बिहार सरकार की पहली महिला मंत्री बनने का ऐतिहासिक गौरव भी प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि केवल उनके व्यक्तिगत जीवन का शिखर नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में महिला नेतृत्व की सशक्त स्थापना का प्रतीक थी।

राजेश्वरी सरोज दास देवी का संपूर्ण जीवन इस तथ्य का साक्ष्य है कि स्वतंत्रता संग्राम और लोकतंत्र निर्माण एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया और स्वतंत्र भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। वे संघर्ष और शासन– दोनों की सफल नायिका थीं।

मेरे जीवन का यह सबसे बड़ा सौभाग्य रहा कि मुझे इस महान विभूति के साथ वर्षों तक कार्य करने और उनसे सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता सेनानी पंडित जगनारायण पाठक जब पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे, तब मैं उनकी कमिटी में महासचिव के दायित्व का निर्वहन कर रहा था। उसी समय सुश्री राजेश्वरी सरोज दास उर्फ देवी जी पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की कोषाध्यक्ष थीं।

उनके साथ अनेक संगठनात्मक बैठकों, जनआंदोलनों और कांग्रेस के कार्यक्रमों में कार्य करने का अवसर मिला। वे मुझे सदैव अपने पुत्र के समान स्नेह देती थीं। उनका वात्सल्य, अनुशासन, सादगी, संगठन के प्रति निष्ठा और कार्यकताओं के प्रति आत्मीयता आज भी मेरे जीवन की अमूल्य निधि है। जब भी किसी जटिल राजनीतिक या सामाजिक विषय पर मार्गदर्शन की आवश्यकता होती, वे बड़े धैर्य और स्नेह के साथ दिशा दिखाती थीं। उनके अनुभवों में स्वतंत्रता आंदोलन की तपस्या थी और उनके व्यक्तित्व में भारतीय संस्कृति की मातृवत करुणा। आज जब मैं उन्हें स्मरण करता हूं तो केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि एक आदर्श जननेता, लोकतंत्र की सच्ची प्रहरी, महिला सशक्तिकरण की अग्रदूत और एक स्नेहमयी अभिभावक की छवि मेरे सामने उभरती है।

दुर्भाग्य है कि आज की पीढ़ी इस महान व्यक्तित्व से लगभग अपरिचित है। जिस महिला ने स्वतंत्रता संग्राम में जेल यात्राएं कीं, महिलाओं को संगठित किया, विधायक बनीं, विधान परिषद की उपसभापति रहीं और कुछ दिन बिहार विधान परिषद की सभापति के चार्ज में भी रही और बिहार की पहली महिला मंत्री बनने का गौरव प्राप्त किया, उनका नाम आज राष्ट्रीय विमर्श में बहुत कम सुनाई देता है। यह केवल एक महान महिला की उपेक्षा नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत की भी उपेक्षा है। आज समय की मांग है कि झारखंड और बिहार सरकारें संयुक्त रूप से सुश्री राजेश्वरी सरोज दास देवी के जीवन और योगदान पर व्यापक शोध कराएं। उनके नाम पर विश्वविद्यालयों में शोध पीठ, स्मारक, संग्रहालय, विद्यालय और सार्वजनिक संस्थानों की स्थापना की जाए। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में उनके योगदान को सम्मानपूर्वक शामिल किया जाए, ताकि नई पीढ़ी यह जान सके कि भारत की आजादी और लोकतंत्र की नींव गुमनाम किंतु महान स्त्री-पुरुषों के त्याग और बलिदान पर टिकी हुई है।

पलामू की वीरांगना सुश्री राजेश्वरी सरोज दास देवी केवल इतिहास का एक नाम नहीं हैं, बल्कि भारतीय राष्ट्रजीवन की वह प्रेरक ज्योति हैं, जिसकी रोशनी आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्हें इतिहास में उनका समुचित स्थान दिलाना केवल एक ऐतिहासिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी भी है।